हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-178, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 10 दिसम्बर 2025

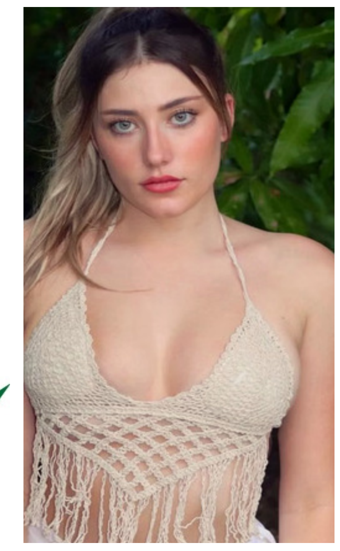

आर्मी का हर जवान हमारे भारत देश का गौरव...02

बीआईटी में फेयरवेल में विद्यार्थियों सफल ...06

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक को आईएमएफ से दूसरा लोन

चांदी आज 195 और सोना 283 सस्ता हुआ

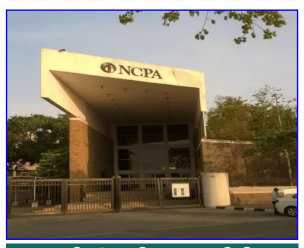

मेहली मिस्त्री ने एनसीपीए बोर्ड से इस्तीफा दिया

डीजीसीए का इंडिगो पर कड़ा एक्शन

एयरलाइन की उड़ानों में 5 प्रतिशत की कटौती

स्लॉट दूसरी एयरलाइंस को मिलेंगे, 10 बड़े एयरपोर्ट पर आईएएस भेजे, 180 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 5 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय लिया है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो हर दिन करीब 2,200 उड़ानें चलाती है। अब इसमें से लगभग 110 उड़ानें रोज कम होंगी। एयरलाइन से 10 दिसंबर तक संशोधित शिड्यूल सौंपने को कहा गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, एयरलाइन को इस बारे में बता दिया गया है और कौन-कौन सी उड़ानें कम की जाएंगी, इसकी सूची तैयार की जा रही है। डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं। नोटिस के अनुसार, इंडिगो को समर शेड्यूल 2025 की तुलना में विंटर शेड्यूल में 6 प्रतिशत के इजाफे की अनुमति दी गई थी, इसके तहत 403 विमानों के उपयोग की मंजूरी थी। लेकिन एयरलाइन अक्तूबर 2025 में केवल 339 और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकी। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन ने 2024 की सर्दियों की तुलना में अपने प्रस्थान में 9.66 प्रतिशत और इस वर्ष के गर्मियों के शेड्यूल की तुलना में 6.05 प्रतिशत की वृद्धि की थी, लेकिन वह इस शेड्यूल का कुशलतापूर्वक संचालन नहीं कर सकी। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा कि एयरलाइन को अपने शेड्यूल को 5 प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया जाता है, यह कटौती विशेष रूप से अधिक मांग और अधिक फेरों वाले उड़ानों में हो। साथ ही, इंडिगो को किसी रूट पर जारी एकल उड़ानों को बंद करने से बचना चाहिए। संकट की गहराई को समझने के लिए इंडिगो के विशाल आकार के बारे में जानना जरूरी है। यह महज एक एयरलाइन नहीं, बल्कि भारतीय एविएशन की रीढ़ है। एयरलाइन के पास 434 विमानों का बेड़ा है। इसने 920 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर भी दे रखा है। इंडिगो हर दिन 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। 3.2 लाख से अधिक यात्रियों को हवाई सफर करवाती है। यह 128 गंतव्यों के लिए अपनी सेवाएं देती है। वित्त वर्ष 2025 के लिए एयरलाइन का राजस्व लगभग ?80,803 करोड़ रुपये रहा। नवंबर 2024 से इंडिगो ने हर महीने लगातार एक करोड़ से अधिक यात्रियों को हवाई सफर कराया है।

इंडिगो सीईओ बोले- हम संकट के बाद फिर अपने पैरों पर खड़ा हो रहे

उधर, इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि आपका एयरलाइन संकट के दौर के बाद एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा हो गया है। इंडिगो सीईओ ने वीडियो के जरिए बयान जारी कर कहा कि हम परेशानियों से गुजरे, यात्रियों को परेशानी हुई। इसके लिए हम माफी चाहते हैं। हवाई यात्रा की खुबसूरती यह है कि यह लोगों को, इमोशन और एंबीशन को साथ लाती है। हम जानते हैं कि आप अलग-अलग कारणों से यात्रा करने वाले थे, पर आप से हजारों ऐसा नहीं कर पाए। हम इसके लिए हृदय से क्षमाप्रार्थी हैं। हम उड़ानों को रद्द करना नहीं टाल पाए। पर हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि हमारी पूरी इंडिगो टीम कड़ी मेहनत कर रही है। सबसे पहले हमारी प्राथमिकता हमारे मूल्यवान ग्राहकों को सुरक्षित तरीके से उन्हें उनके घर पहुंचना है। बड़े पैमाने पर रिफंड जारी किए जा रहे हैं।

शाह बोले, वंदे मातरम् का विरोध गांधी परिवार के खून में

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' पर मंगलवार को चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जो लोग वंदे मातरम् के महत्व को नहीं जानते वे इसे चुनाव से जोड़ रहे हैं। शाह के बयान को प्रियंका गांधी के बयान से जोड़ कर देखा जा रहा है। एक दिन पहले लोकसभा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा था- वंदे मातरम् गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है। आज इस पर बहस क्यों हो रही है? मैं बताती हूं- क्योंकि बंगाल का चुनाव आ रहा। मोदी जी उसमें अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। शाह ने संबोधन में कहा- जब वंदे मातरम 100 साल का हुआ, पूरे देश को बंदी बना दिया गया। जब 150 साल पर कल सदन (लोकसभा) में चर्चा शुरू हुई, गांधी परिवार के दोनों सदस्य (राहुल-प्रियंका) नदारद थे। वंदे मातरम् का विरोध नेहरू से लेकर आज तक कांग्रेस नेतृत्व के खून में है। दरअसल राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर भारत सरकार की ओर से सालभर का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 2 दिसंबर को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सभी दलों के प्रतिनिधियों की मीटिंग बुलाई थी। इसमें तय किया गया था कि वंदे मातरम को लेकर 8 दिसंबर को लोकसभा और 9 दिसंबर को राज्यसभा में चर्चा होगी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- नेहरू जी, महात्मा गांधी, मौलाना आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र, सरदार पटेल, गोविंद वल्लभ पंत सहित कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था।

जलवायु परिवर्तन से कृषि पर आए संकट से निपटने के उपाय कर रही है सरकार: शिवराज सिंह चौहान

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि को होने वाले नुकसान को लेकर सरकार जरूरी कदम उठा रही है और इसके लिए जो वैज्ञानिक उपाय हो सकते हैं उनके जरिए किसानों की मदद की जा रही है। लोकसभा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि सरकार को नारियल किसानों की चिंता है और उन्हें हर तरह से मदद देने का काम किया जा रहा है। यदि चक्रवात जैसे कारण से नारियल के पेड़ उखड़ते हैं तो वहां नारियल के पेड़ लगाने की व्यवस्था की जा रही है और इसमें राज्य सरकार को जो भी जरूरत होती है उसे उपलब्ध कराया जाएगा। नारियल किसानों की दिक्कत के समाधान के लिए नारियल की पौध को विकसित किया जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने एक अन्य सवाल पर कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से किसानों को जो परेशानी हो रही है सरकार किसानों को उससे राहत देने की दिशा में भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान के कारण फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए किसान की मदद की जा रही है। उनका कहना था कि पिछले साल फरवरी मार्च में ज्यादा गर्मी बढ़ गई थी लेकिन इसके बावजूद फसलों की पैदावार कम नहीं हुयी। उन्होंने कहा कि सूखे की स्थिति में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत एक करोड़ से अधिक किसानों की मदद की गई है। मिट्टी को हो रहे नुकसान पर भी सरकार का ध्यान है और उस दिशा में भी किसानों की पूरी मदद की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक और जैविक खेती सरकार की प्राथमिकता में है और इन दोनों क्षेत्रों में किसानों को सुविधा उपलब्ध कराए जा रही है इसके साथ ही मिट्टी की जांच भी कराई जा रही है। इसके तहत 25 करोड़ 61 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले बनभूलपुरा में फ्लैग मार्च

हल्द्वानी, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले पर 10 दिसंबर को होने वाली सुनवाई से पहले नैनीताल पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। निर्णय से पूर्व किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए मंगलवार को बनभूलपुरा क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें पुलिस ने शांति और सुरक्षा का पैगाम दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. ने सभी पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्र में एरिया डॉमिनेशन, व्यापक चेकिंग और संदिग्धों पर प्रीवेंटिव एक्शन की कार्रवाई जारी है। स्थानीय पहचान पत्र के बिना संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश रोक दिया गया है। पुलिस ने साफ संदेश दिया है - कार्यवाही में बाधा डालने और माहौल बिगाड़ने वालों पर कठोर कार्रवाई होगी।

लोगों से 30-40 पेज के फॉर्म न भरवाएं: प्रधानमंत्री मोदी

मंत्रियों से कहा- फालतू पेपरवर्क खत्म करें, नियम-कानून जिंदगी आसान बनाने के लिए हों

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने मंगलवार को कहा कि मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है।

पीएम ने यह बात संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक में मंत्रियों और सांसदों से कही। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान उन्होंने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार जीत के शिल्पकार हैं। सरकार ने सेल्फ-सर्टिफिकेशन की इजाजत देकर नागरिकों पर भरोसा किया। इस बात पर जोर दिया कि यह भरोसा बिना किसी गलत इस्तेमाल के 10 साल से कामयाबी से काम कर रहा है। ईज ऑफ लाइफ और ईफ ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों ही मोदी सरकार की प्राथमिकता है। देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेझ में है, जहां सुधार तेजी से और साफ इरादे से हो रहे हैं।सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित हैं, न कि सिर्फ आर्थिक या रेवेन्यू-केंद्रित। इसका लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें। पीएम मोदी 11 दिसंबर को एनडीए के सभी सांसदों के लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन करने वाले हैं। इसका उद्देश्य सहयोगी दलों के साथ बेहतर तालमेल, समन्वय और संसद सत्र के दौरान साझा रणनीति तैयार करना बताया जा रहा है। इस डिनर में सरकार के विधायी एजेंडे, सेशन की प्राथमिकताओं और पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। 20 नवंबर 2025 को नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

पटना के गांधी मैदान में समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे थे। डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली थी। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली थी।

मुर्मु के मणिपुर दौरे को लेकर प्रशासन ने की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

इंफाल, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 11 और 12 दिसंबर को दो दिवसीय मणिपुर दौरे को लेकर इंफाल में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है एवं स्वागत की तैयारियां की जा रही है। सरकार की ओर से हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन कांगला के पास एक स्वागत द्वार बनाया गया है और पूरे इंफाल में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कई उग्रवादी गुटों ने राष्ट्रपति के दौरे को लेकर बहिष्कार और राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। अधिकारियों को राष्ट्रपति के दो दिवसीय दौरे के दौरान संभावित विरोध प्रदर्शनों की आशंका है, इसलिए मुख्य मार्गों पर आम वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाये जाने की संभावना है। श्रीमती मुर्मु के के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह 11 दिसंबर को ऐतिहासिक इंफाल पोलो ग्राउंड में एक पोलो कार्यक्रम में शामिल होंगी।

बीजेपी देश में चुनाव सुधार नहीं चाहती: राहुल

चुनाव आयोग को कंट्रोल कर रही, एसआईआर पर सदन के सामने 3 मांगें रखीं, 3 सवाल पूछे

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधार (एसआईआर) पर 28 मिनट की स्पीच दी। कहा कि आरएसएस और बीजेपी देश की संस्थाओं पर कब्जा कर रही हैं। इनमें चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई, आईबी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट शामिल हैं। इससे साफ है कि बीजेपी चुनाव आयोग को कंट्रोल और निर्देशित (डायरेक्ट) कर रही है। इससे लोकतंत्र को नुकसान हो रहा है। राहुल की स्पीच के दौरान 5 बार हंगामा हुआ। हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन मॉडल के जिक्र के समय कांग्रेस सांसदों द्वारा मॉडल की तस्वीर दिखाने पर स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट सभी राजनीतिक दलों को चुनाव से एक महीने पहले दी जानी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज डिस्ट्रॉय करने का नियम भी बदला जाना चाहिए। 3. चुनाव के बाद ईवीएम देखने के लिए दी जाए। वोट चोरी से बड़ा कोई एंटी नेशनल काम नहीं है। सरकार चुनाव सुधार नहीं चाहती। 3 सवाल पूछे चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से सीजेआई को क्यों हटाया गया। 2. दिसंबर 2023 में कानून बदला कि चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता। 3. चुनाव के 45 दिन बाद सीसीटीवी फुटेज क्यों डिलीट किए। राहुल ने कहा- सीजेआई को सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया से हटाया गया। मैं बैठा था, एक तरफ पीएम मोदी और अमित शाह बैठे थे और दूसरी तरफ मैं। किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया। दिसंबर 2023 में नियम बदल यह प्रावधान किया कि किसी भी चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किया गया। सीसीटीवी और डेटा को लेकर नियम बदले गए। सत्ता के साथ चुनाव आयोग का तालमेल है। यह डेटा का सवाल नहीं, चुनाव का सवाल है। मेरे पास इसके सबूत हैं। बीजेपी लोकतंत्र को डैमेज करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है। राहुल ने कहा, मैं 3 सवाल पूछता हूं, इससे साफ है कि बीजेपी चुनाव आयोग को डायरेक्ट कर रही है, जिससे देश का चुनाव प्रभावित हो रहा है।

एक और आरोपी नसीर मल्ला गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली बम ब्लास्ट और व्हाइट कॉलर टेररिज्म मॉड्यूल से जुड़े मामले में एनआईए ने नसीर मल्ला को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे सात दिन की रिमांड पर भेजा गया। वहीं आरोपी आमिर राशिद को भी आज सात दिनों की रिमांड में भेजा गया है। आरोपी नसीर मल्ला को गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली स्थित पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद आरोपी को सात दिनों की एनआईए रिमांड में भेजा गया। अब सात दिनों तक जांच एजेंसी एनआईए मुख्यालय में आरोपी से पूछताछ होगी। आरोपी नासिर मल्ला से जुड़े कई अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ हो सकती है। सात दिनों तक दिल्ली स्थित एनआईए मुख्यालय में गिरफ्तार आरोपी आमिर राशिद से पूछताछ होगी दिल्ली ब्लास्ट और डॉक्टरों के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े मामले में गिरफ्तार इस आरोपी को आज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया था।

वंदे मातरम पर मौलाना मदनी बोले

मरना स्वीकार लेकिन शिर्क नहीं, मुसलमान सिर्फ अल्लाह की इबादत करता है

सहारनपुर, एजेंसी। संसद में वंदे मातरम् पर हुई बहस पर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमें किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हम यह बात फिर से स्पष्ट करना चाहते हैं कि मुसलमान केवल एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इस इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता। मौलाना अरशद मदनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा की वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियां ऐसे धार्मिक विचारों पर आधारित हैं जो इस्लामी आस्था के खिलाफ हैं। विशेष रूप से इसकी चार पंक्तियों में देश को दुर्गा माता जैसे देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया है और उसकी पूजा के शब्द प्रयोग किए गए हैं, जो किसी मुसलमान की बुनियादी आस्था के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता (अनुछेद 25) और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुछेद 19) देता है। इन अधिकारों के अनुसार किसी भी नागरिक को उसके धार्मिक विश्वास के विरुद्ध किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मौलाना मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का भी यह स्पष्ट फैसला है कि किसी भी नागरिक को राष्ट्रगान या ऐसा कोई गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जो उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ हो। कहा कि वतन से मोहब्बत करना अलग है और उसकी पूजा करना अलग बात है।

मुसलमानों को इस देश से कितनी मोहब्बत है इसके लिए उन्हें किसी प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं है। आजादी की लड़ाई में मुसलमानों और जमीयत उलमा-ए-हिंद के बुजुर्गों की कुर्बानियां और विशेष रूप से देश के बंटवारे के खिलाफ जमीयत की कोशिशें दिन की रोशनी की तरह स्पष्ट हैं।

दिल्ली विस्फोट मामले में एनआईए ने अनंतनाग में की छापेमारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली विस्फोट मामले में मंगलवार को जम्मू -कश्मीर में तीन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। एनआईए, केंद्रीय रिजर्व बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस के संयुक्त दल दो संदिग्धों डॉ. आदिल राथर और जसीर बिलाल वानी को अनंतनाग के एक वन क्षेत्र में लेकर गयी। यह कार्रवाई एनआईए द्वारा अनंतनाग जिले के एक वन क्षेत्र में की जा रही छापेमारी का हिस्सा है। इन दोनों संदिग्धों को दिल्ली विस्फोट मामले और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के साथ संबंध होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल कई तथ्यों की गहन जांच की जा रही है और जानकारियां जुटाईं जा रही हैं ताकि दोनों आरोपियों के बयानों की पुष्टि की जा सके। गौरतलब है कि पिछले महीने 10 नवंबर को लाल किले के पास हुये विस्फोट मामले की जांच के संबंध में ये छापेमारियां की जा रही हैं। लाल किला विस्फोट मामले में एनआईए ने अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरू में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज किए गए इस मामले को बाद में गृह मंत्रालय ने एनआईए को स्थानांतरित कर दिया गया था। एनआईए ने पुष्टि की है कि दिल्ली विस्फोट में डॉ. उमर नबी नामक एक आत्मघाती हमलावर द्वारा वाहन जनित तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (वीबीआईईडी) का इस्तेमाल किया गया

2036 तक 7 में से 1 भारतीय सीनियर सिटीजन होगा

केंद्र बोला, देश की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही, इससे आर्थिक निर्भरता जैसी चुनौतियां बढ़ेगी

देश में सबसे ज्यादा बुजुर्ग केरल में

देश में सबसे ज्यादा बुजुर्ग केरल में रहते हैं। यहां कुल आबादी के 16.5 प्रतिशत लोग बुजुर्ग (60 साल से अधिक उम्र के 56 लाख लोग) हैं। इनमें भी 11 प्रतिशत लोग 80 साल या इससे अधिक उम्र के हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट (आईआईएमडी) की केरला माइग्रेशन सर्वे रिपोर्ट बताती है कि राज्य की 3.43 करोड़ आबादी में हर पांच में से एक घर का कम से कम एक सदस्य बाहर है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। 2011 में देश में 60 साल से ऊपर की आबादी 10.16 करोड़ थी, जो 2036 तक बढ़कर 22.74 करोड़ हो जाएगी। यानी बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा कुल जनसंख्या में 8.4 प्रतिशत से बढ़कर 14.9 प्रतिशत हो जाएगा यानी हर 7 में 1 भारतीय सीनियर सिटीजन होगा। वहीं, 2036 तक अनुमानित जनसंख्या 153 करोड़ होगी। ये जानकारी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में दी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है।

भारत में वरिष्ठ नागरिक देखभाल सुधार

वरिष्ठ नागरिक देखभाल प्रतिमान की पुनर्कल्पना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में नीति आयोगन ने बुजुर्गों के लिए लिक्विडिटी बढ़ाने, अनिवार्य बचत के लिए रिवर्स मॉर्टगेज सिस्टम शुरू करके बुजुर्ग देखभाल सेवाओं को विकसित करने का आह्वान किया था। आयोग ने बताया था, भारत में वरिष्ठ नागरिक देखभाल उद्योग करीब 60 हजार करोड़ रु. है। इसके तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

सौरभ-गौरव लूथरा के नाइट क्लब पर चलेगा बुलडोजर

इंटरपोल ने जारी किया ब्लू कॉर्नर नोटिस

पणजी, एजेंसी। गोवा के नाइट क्लब बिर्क बाय रोमियो लेन को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया जाएगा। सीएम प्रमोद सावंत ने ये आदेश दिया है। गोवा सीएमओ ने एक बयान जारी कर बताया कि इंटरपोल ने भी नाइट क्लब के मालिकों गौरव और सौरभ लूथरा के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। गोवा पुलिस ने दोनों के खिलाफ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए सीबीआई से संपर्क किया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीएम सावंत ने उत्तरी गोवा जिला प्रशासन को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद नाइट क्लब को गिराने का निर्देश दिया है। अधिकारी ने कहा, यह नाइट क्लब सरकारी जमीन पर गैर-कानूनी तरीके से बना है। इसे मंगलवार को गिरा दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने सारी मशीनरी तैयार रखी है। गोवा पुलिस ने सोमवार को बताया कि सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा हादसे के कुछ घंटों बाद वे थाईलैंड के फुकेट भाग गए।

अभीज्ञान 2.0 – वार्षिक समारोह, दिल्ली पब्लिक स्कूल काशी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। दिल्ली पब्लिक स्कूल काशी के प्रांगण में बहुप्रतीक्षित वार्षिक समारोह अभीज्ञान 2.0 अत्यंत उत्साह, भव्यता और शानदार प्रस्तुतियों के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक रचनात्मकता और विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास को एक मंच पर प्रस्तुत करने वाला प्रभावशाली आयोजन साबित हुआ। संध्या में बड़ी संख्या में अभिभावकों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही, जिनके साथ पूरा प्रांगण उत्साह से भर उठा। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रवलन के साथ हुआ। ज्ञान और प्रबोधन के इस प्रतीकात्मक आरंभ ने पूरे वातावरण को पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात कक्षा 2 से 4 के नन्हें विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक श्लोक वाचन ने सभी को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराया। विद्यालय के प्रतिष्ठित अतिथियों का औपचारिक स्वागत एवं सम्मान किया गया, जिसके बाद विद्यालय की कोयर टीम द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत Prelude of Grace ने समारोह को एक सुंदर, प्रेरक और

सौहार्दपूर्ण स्वर प्रदान किया। इसके उपरांत विद्यालय के प्राचार्य श्री मृणाल चौधुरी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें विद्यालय द्वारा वर्षभर में प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियों, नवाचारों, खेल व सांस्कृतिक सफलताओं तथा नई शैक्षिक पहलों का विस्तृत विवरण शामिल था। उन्होंने विद्यालय की सीखने की निरंतर परंपरा और समग्र विकास के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रथम चरण में PG से कक्षा V तक के नन्हें कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुति Wisdom Tales from Panchatantra द्वारा मंच पर जीवंतता बिखेरी। विद्यार्थियों ने पशु पात्रों की रोचक भूमिकाओं के माध्यम से नैतिक मूल्यों, बु?द्धिमत्ता और जीवन के सार को सरल व मनोरंजक शैली में प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को आनंदित करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण जीवन संदेश भी दिए।समारोह के दौरान कक्षा 10 और 12 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया। ह्यूमैनिटीज, साइंस और कॉमर्स स्ट्रीम के टॉपर्स सहित कक्षा 10 के सर्वोच प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं सम्मान प्रदान किए गए, जिसने उपस्थित विद्यार्थियों में प्रेरणा और उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम के द्वितीय खंड में विद्यार्थियों ने द वॉइस ऑफ़ नेचर शीर्षक से एक सुंदर एवं प्रभावशाली नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें प्रकृति की सुंदरता, मानव द्वारा किए जाने वाले हस्तक्षेप से उत्पन्न समस्याएँ और पर्यावरण संरक्षण का संदेश संवेदनशील रूप से दर्शाया गया। वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने नवरस- भावनाओं की तरंगें विषय पर आधारित आकर्षक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें मानव जीवन की नौ भावनाओं-श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत-को नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के माध्यम से जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया। भावों की लय, मनोहर मंच सजा, उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था और प्रभावशाली संगीत ने दोनों प्रस्तुतियों को अत्यंत प्रभावी बना दिया, जिसे दर्शकों ने भरपूर सराहा। अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी संबोधनों में विद्यार्थियों की प्रस्तुति, अनुशासन, उत्साह और विद्यालय की शिक्षण पद्धति की प्रशंसा की। उन्होंने भविष्य में और अधिक ऊँचाइयों को प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह के अंत में जिग्येशा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन में सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और सहयोगी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास ही अभीज्ञान 2.0 की शानदार सफलता का आधार रहे। कार्यक्रम का समापन एंकरों के उत्साहपूर्ण शब्दों और DPS काशी की सांस्कृतिक समृद्धि, एकता तथा भविष्य की प्रगति के संदेश के साथ हुआ। यह आयोजन विद्यालय की रचनात्मकता और उत्कृष्टता की दिशा में एक और सशक्त कदम साबित हुआ। दिल्ली पब्लिक स्कूल काशी उच गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, नैतिक मूल्यों, नवाचार और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर विशेष बल दिया जाता है। विद्यालय विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करने हेतु प्रेरणादायी वातावरण प्रदान करता है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने घर- घर जाकर भर डाले कई सौ एस.आई.आर. फॉर्म

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम में आदर्श नगर पालिका परिषद रुदौली के महाराजा रुद्रमल नगर वार्ड निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एखलाक राजा अपने वार्ड में अहम भूमिका निभा रहे वो न सिर्फ लोगों के घर जाकर एसआईआर के फॉर्म भर रहे साथ ही निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से 2003 की मतदाता सूची डाउनलोड करके लोगों के संबंधियों का विवरण भी निकाल रहे,जिससे मतदाताओं सहित बीएलओ को आसानी हो रही है, एखलाक राजा ने बताया कि शुरुआत में कैंप लगाकर एसआईआर फॉर्म भरे,लेकिन कैंप में भीड़ याद हो जाने के कारण लोगो को असुविधा हो रही थी इसलिए सुबह से लेकर देर रात तक घर घर जाकर फॉर्म भरने का अभियान शुरू किया वार्डवासियों के अब कई सौ फॉर्म भरे जा चुके है,उनके इस कार्य की वार्ड सहित पूरे नगर में सराहना हो रही है।

वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत घोषित कर देश प्रेम का जबा कांग्रेस ने जगाया- दयानंद शुक्ला

तीसरा विकल्प न्यूज़ मवई अयोध्या

मवई अयोध्या। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य दयानंद शुक्ला ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वंदे मातरम की संसद में चर्चा करते हुए चुनावी भाषण दिए जाने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जन गण मन को राष्ट्रगान व वंदे मातरम को राष्ट्रगीत घोषित करके लोगों में देश प्रेम का जबा जगाने का काम किया। महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चटर्जी ने आजादी की लड़ाई में देश वासियों में जोश पैदा करने के लिए गीत को लिखा था। लोकसभा में इसे गाने की जगह इसको लेकर कांग्रेस की आलोचना करने में लोकसभा का समय नष्ट कर रहे हैं।श्री शुक्ल ने कहा प्रधानमंत्री श्री मोदी आम आदमी की मूलभूत समस्याओं से लोगों का ध्यान भटकने के लिए और बंगाल चुनाव को देखते हुए यह राग अलाप रहे हैं आज देश की जनता महंगाई बेरोजगारी और किसान अपनी उपज का सही मूल्य न मिलने से परेशान है इस पर ध्यान देने के लिए उनके पास समय नहीं है।

घनश्याम दास पहलवान ने अयोध्या धाम में अलाव जलवाने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है, लेकिन नगर निगम की ओर से अब तक अलाव और रैन बसेरा की व्यवस्था नहीं की गई है। इसको लेकर रामकोट वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि पहलवान घनश्याम दास ने नगर निगम से तुरंत व्यवस्था कराने की मांग की है।पार्षद घनश्याम दास ने कहा कि अयोध्या रामकोट क्षेत्र में कहीं भी अलाव की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे स्थानीय नागरिकों और दर्शनार्थियों को ठंड में काफी परेशानी हो रही है। रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु हनुमानगढ़ी, कनक भवन, राम मंदिर, मातगैंड, कोतवाल बाबा सहित अन्य मंदिरों में दर्शन करने आते हैं और सरयू नदी में स्नान करते हैं, लेकिन सभी स्थानों पर अलाव की कोई व्यवस्था नहीं है।उन्होंने बताया कि वेद मंदिर, रंग महल मंदिर, दशरथ महल, अशर्फी भवन चौराहा जैसे प्रमुख स्थलों पर भी नगर निगम ने अभी तक अलाव नहीं जलवाए हैं। इससे लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी नेता एवं रामकोट के पार्षद प्रतिनिधि पहलवान घनश्याम दास ने नगर निगम से मांग की है कि शहर के प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जल्द से जल्द अलाव की व्यवस्था की जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को ठंड से राहत मिल सके।

सजपा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ कर रही है पक्षपात।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। समाजवादी जनता पार्टी चंद्रशेखर ने प्रदेश सरकार पर किसानों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए उन्हें उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है समाजवादी जनता पार्टी उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि धान का समर्थन मूल्य 2389 रुपया निर्धारित होने के बावजूद किसान धान 1600-1700रुपया पर व्यापारियों को बेचने के लिए मजबूर हो रहा है वहीं दूसरी ओर सरकारी धान क्रय केन्द्र भ्रष्टाचार के केंद्र बन गए हैं और किसानों का धान ख़रीदने की बजाए व्यापारियों से बिचौलियों के माध्यम से ख़रीद कर रहे हैं जिसके कारण किसानों को आर्थिक क्षति का उठाना पड़ा रहा है वहीं दूसरी ओर गेहूं के लिए उर्वरक के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है तीसरी तरफ़ किसानों को और अपने फ़सल को आवारा पशुओं से बचाने के लिए जूझना पड़ रहा है सरकार किसानों को उनकी उपज का दूना दाम देने के वायदे से पीछे हट गई है और उन्हें तरह तरह से पीड़ित कर रही है पार्टी ने सरकार से यह माँग की है कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करे भ्रष्टाचार के दोषी अधिकारियों तथा बिचौलियों के ख़िलाफ़ कठोर कार्रवाई करें पार्टी ने यह भी माँग किया है कि आवारा पशुओं से होने वाले नुक़सान की भरपाई किसानों को सरकार द्वारा की जाए तो पार्टी ने है गेहूं ये लिए समुचित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।

ललित कला की सात दिवसीय कार्यशाला में भारतीय कला परम्परा को सुदृढ़ करने में जुटे छात्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मूर्ति कला विभाग में 07 दिवसीय भित्ति चित्र एवं मूर्तिकला कार्यशाला का निरीक्षण कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। कुलपति ने कार्यशाला की प्रशंसा करते हुए छात्र - छात्राओं को प्रोत्साहित किया तथा कहा कि ललित कला विभाग को विश्वविद्यालय का सबसे सुन्दर एवं आकर्षक विभाग बनाने का कार्य पूरी लगन से किया जाएगा।ललित कला के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र मिश्रा ने कार्यशाला के कार्य मे यथासंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। कार्यशाला की संयोजक डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि भित्ति चित्रण मे अवध के कुम्हारों के चित्र को 3 डी में बनाया जा रहा है।

भाजपा सरकार में अयोध्या के विकास को मिली अभूतपूर्व गति –परिवहन मंत्

रामनगरी की आस्था और आधुनिकता का संगम बना अयोध्या- ऋषिकेश उपाध्याय

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले 1251 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह हनुमत श्रीराम महायज्ञ की यज्ञशाला का भूमि पूजन मंगलवार को प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने किया। 20 से 26 मार्च 2026 तक प्रस्तावित इस भव्य महायज्ञ को रामनगरी में धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का अद्वितीय संगम बताया जा रहा है। भूमि पूजन से पहले परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने रामलला के दर्शन किए तथा हनुमानगढ़ी में महाबली हनुमान के समक्ष शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या आज अपने गौरवपूर्ण इतिहास से आगे बढ़ते हुए एक नए युग में प्रवेश कर रही है। पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या के समग्र विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के बाद यहां बुनियादी ढांचे, सड़कों, परिवहन सेवाओं और पर्यटन सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। श्रीरामनवमी के अवसर पर होने वाला यह महायज्ञ अयोध्या की आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक स्तर पर और अधिक सुदृढ़ करेगा। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि अयोध्या का विकास केवल परियोजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान है। उन्होंने बताया कि शहर को आधुनिक सुविधाओं से सजित करते हुए उसकी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि महायज्ञ के आयोजन से रामनगरी की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक चमक और अधिक प्रखर होगी।

बैकवर्ड क्लास ओबीसी कोल एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के केंद्रीय महासचिव का दौरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। बैकवर्ड क्लास ओबीसी कोल एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के केंद्रीय महासचिव जय बहादुर सिंह यादव का बस्ताकोला, लोदना व भौरा में दौरा किया इसके बाद जेलगोडा अतिथि गृह में ओबीसी मजदूरों के साथ वार्ता किया।

इसके पहले एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मदन राम गुलदस्ता देकर महासचिव जय बहादुर सिंह यादव का स्वागत किया। एसोसिएशन के केंद्रीय महासचिव जय बहादुर सिंह यादव अपनी टीम के पदाधिकारीयो के साथ पूरे बीसीसीएल में दौरा करते हुए कार्यक्रम कर रहे हैं ।दौरा में कोयला भवन के अध्यक्ष रामदुलार सिंह, महासचिव भोला यादव, विजय यादव, दयाराम यादव ,अमरजीत यादव मीडिया प्रभारी राम नारायण आदि थे। जियलगोरा अतिथि गृह में ओबीसी मजदूरों के साथ वार्ता में श्री यादव ने कहा कि पूरे कोल इंडिया में आउट सोर्सिंग चल रहा है। डीजीएमएस का गाइड लाइन का पालन नही होने के कारण केंदुआडीह गैस जैसी घटनाएं हो रही है। आउट सोर्सिंग अधिकारी माइंस एक्ट को दरकिनार करते हुए बिना सुरक्षा व्यवस्था के असंगठित मजदूरों से काम कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे बीसीसीएल में अगर मजदूरों की किसी तरह की सुविधाएं छीनने के पहले अधिकारी को सुविधा हटाया जाए आज पूरे देश में मजदूरी के क्षेत्र में 80 प्रतिशत ओबीसी के लोग हैं संगठित होकर काम करने की जरूरत है। इस अवसर पर गणेश कुमार, मंगरु कुमार, राम नाथ गोप रामदेव प्रसाद यादव, कामेश्वर सिंह, सुभाष माली, शत्रुघ्न यादव ,बैजनाथ विश्वकर्मा, मो. जसीम आदि थे

निरीक्षण, बैठकों और राजनीतिक दौरे के बीच केंदुआडीह गैस रिसाव की स्थिति ज्यों-की-त्यों, राहत कार्य तेज़ पर समाधान अब भी दूर

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

पुटकी/धनबाद। केंदुआडीह और आसपास के इलाकों में जहरीली गैस रिसाव का संकट सातवें दिन भी बना रहा। राजपूत बस्ती, मस्जिद पट्टी और नया धौड़ा में दहशत का माहौल कायम है। बीसीसीएल, डीजीएमएस, सिम्फर और रेस्क्यू टीम ने मंगलवार को फिर गैस मॉनिटरिंग की, जिसमें बीसीसीएल गेस्ट हाउस में 1800-2000 पीपीएम तक की गैस दर्ज की गई, जो स्थिति की गंभीरता दर्शाता है। राहत शिविर का निरीक्षण हिंदी भवन स्थित राहत शिविर में बीसीसीएल के डीपी कृष्णा मुरारी ने पहुचे । यहाँ 47 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। डॉक्टरों की टीम ने बताया कि सभी मरीजों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है और आज किसी को रेफर नहीं किया गया। बीसीसीएल की बैठक बेनतीजा केंदुआडीह थाना परिसर में बीसीसीएल द्वारा आयोजित बैठक में पुटकी सीओ विकास आनंद, बीसीसीएल पीवी एरिया के जीएम जे. पी. मेहता और ग्रामीण शामिल हुए। जेआरडीए के तहत बेलगड़िया और करमाटांड़ भेजने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे ग्रामीणों ने सिरे से खारिज कर दिया। ग्रामीणों का साफ कहना है— पहले गैस पर काबू पाएं, विस्थापन की बात बाद में। बैठक बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह का दौरा इधर, धनबाद लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह प्रभावित इलाके पहुँचीं। उन्होंने बीसीसीएल सीएमडी से फोन पर बात कर तत्काल समाधान और राहत कार्य तेज़ करने की अपील की।उन्होंने कहा यह सिर्फ गैस रिसाव नहीं, यह लोगों की जान से खिलवाड़ है। विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाई जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित रखा जाए। कुल मिलाकर निरीक्षण, बैठकों और नेताओं के दौरे के बावजूद गैस रिसाव पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो पाया है। ग्रामीणों में भय बरकरार है, जबकि बीसीसीएल और प्रशासन राहत एवं रोकथाम कार्यों में जुटे हुए हैं। स्थिति पर सभी की नजरें टिकी हैं।

राम जानकी मन्दिर के महंत जगदीश शंकर दीक्षित द्वारा देवव्रत रेखे को सम्मान किया गया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी के इतिहास में प्रथम बार श्रुति स्मृति ज्ञानमन्दिर वेदपाठशाला अहिल्या नगर महाराष्ट्र द्वारा आयोजित शुक्ल यजुर्वेद माध्यंदिनी शाखा एकाकी सम्पूर्ण कंठस्थ दण्ड क्रम पारायण करके इतिहास रचने वाले चि. देवव्रत महेश रेखे घनपाठी एवं महेश चन्द्रकान्त रेखे घनपाठी निलेश केदार घनपाठी का अति प्राचीन राम जानकी मन्दिर सदानन्द बाजार रामापुरा वाराणसी में आज आगमन हुआ इस अवसर में राम जानकी मन्दिर के महंत जगदीश शंकर दीक्षित द्वारा देवव्रत रेखे को सम्मान किया गया

आर्मी का हर जवान हमारे भारत देश का गौरव और आन मान शान है-पूर्व कर्नल नन्दलाल यादव।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गत आठ दिसंबर सोमवार को आर्मी सर्विस कोर का 265वां स्थापना दिवस लेढूपुर स्थित कृपालु तिवारी जी के प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना और दीप प्रवलन करके कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पूर्व कर्नल नंदलाल यादव ने किया।इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में पूर्व कर्नल नंदलाल यादव ने कहा कि देश की सीमाओं पर आर्मी के जवान हमेशा अपने कर्तव्य का पालन करते है आज किसान अगर देश और समाज का पेट भर रहा है तो उसी किसान का बेटा सीमा पर रखवाली कर रहा हैआर्मी सर्विस कोर के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि इस लिए भारत देश के पूर्व प्रधान मंत्री ने नारा दिया था जय जवान जय किसान तथा इस लिए देश के लिए अपने प्राण न्यवछावर करने वाले जवानों को याद करना जरूरी है कोर की सेवाओं की महत्ता को समझाना चाहिए।विशिष्ट अतिथि के रूप में कैप्टन विजय मिश्रा ने कहा कि देश का जवान हमारे भारत देश की आन मान और शान है जो हर मौसम में कड़ी धूप, कड़ी ठंडक में अपने मातृभूमि की रक्षा करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है इस अवसर पर कैप्टन श्रीकांत यादव पूर्व हवलदार उमाशंकर तिवारी नंदलाल पटेल रमेश विश्वकर्मा जमुना यादव भोलानाथ पाल राम अवतार यादव फेकन यादव और कई भूतपूर्व सैनिक ने अपने विचार व्यक्त किए।धन्यवाद ज्ञापन पूर्व हवलदार संजय कुमार मिश्रा ने किया उन्होंने सभी अधिकारियों एवं जवानों का आभार व्यक्त किया।

भारत को अपनी विकास राह खुद तय करनी होगी- गौतम अदाणी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शताब्दी समारोह के मौके पर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने अपने भाषण में संस्थान के छात्रों से कहा कि आज जब वैश्विक गठबंधन टूट रहे हैं और देश अपने हितों को सर्वोपरि मान रहे हैं, ऐसे समय में भारत को अपनी विकास की राह खुद तय करनी होगी। उन्होंने कहा, भारत की संप्रभुता अब दो स्तंभों पर निर्भर करती है—हमारे पैरों के नीचे की संपदा और वह ऊर्जा जो विकास को गति देती है।

नैरेटिव कॉलोनाइजेशन से सतर्क रहने की जरूरत अपने भाषण में गौतम अदाणी ने चेताया कि नैरेटिव कॉलोनाइजेशन से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जिन देशों ने ऐतिहासिक रूप से सबसे यादा कार्बन उत्सर्जन किया है, वे अब भारत को यह बताना चाहते हैं कि उसे कैसे विकसित होना चाहिए, जबकि भारत की प्रति व्यक्ति उत्सर्जन दर दुनिया में सबसे कम है। उन्होंने देश को दूरसे स्वतंत्रता संग्राम के लिए तैयार रहने की बात कही। उन्होंने कहा, भारत को बाहरी दबावों के आगे नहीं झुकना चाहिए, जो हमारे सपनों को अवैध ठहराते हैं। यह समय भारत के लिए आर्थिक और संसाधन स्वतंत्रता का दूसरा स्वतंत्रता संग्राम है। उन्होंने कहा, लोग खनन को पुरानी अर्थव्यवस्था कह सकते हैं। लेकिन इसके बिना, कोई नई अर्थव्यवस्था नहीं है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की ऐतिहासिक भूमिका गौतम अदाणी ने इस मौके पर आईएसएम धनबाद के स्वर्णिम इतिहास को भी सराहा। उन्होंने कहा, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की स्थापना देश की दूरदृष्टि का परिणाम थी। ब्रिटिश शासन के दौरान भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस संस्थान की स्थापना की सिफारिश की थी, ताकि भारत खनन और भूविज्ञान में अपनी क्षमताएं विकसित कर सके। अदाणी ग्रुप की ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि ग्रुप ने ऑस्ट्रेलिया के कारमाइकल प्रोजेक्ट को कई चुनौतियों के बावजूद सफलतापूर्वक संचालित किया और गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित किया। गौतम अदाणी ने दिया छात्रों को तोहफा इस मौके पर अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में नया अदाणी 3स माइनिंग एक्सीलेंस सेंटर शुरू करने की घोषणा की। यह माइनिंग एक्सिलेंस सेंटर के साथ साझेदारी में विकसित किया जाएगा, जिसमें मेटावर्स लैब, ड्रोन बेड़े, भूकंपीय सेंसिंग सिस्टम और सटीक खनन प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इसके गौतम अदाणी ने छात्रों के लिए पेड इंटर्नशिप प्रोग्राम की घोषणा भी की। इसके तहत हर साल तीसरे वर्ष के 50 छात्रों को पेड इंटर्नशिप प्रदान की जाएंगी। इसके बाद, इनमें से कम से कम 25त्न छात्रों को अदाणी समूह के लिए रोजगार-पूर्व प्रस्ताव प्राप्त मिलेंगे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, निर्भीक होकर सपने देखें, लगातार प्रयास करें, इनोवेशन को अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें।

एक दशक, कई संकट– डॉ. राजेश्वर सिंह की युवाओं से विवेकपूर्ण और तकनीकी तैयारी की अपील

➲ युवा भारत के भविष्य पर डॉ. राजेश्वर सिंह की गूढ़ चेतावनी और दूरदर्शी आह्वान
➲ डॉ. राजेश्वर सिंह का दृष्टिकोण– कठिन समय ने भारत के युवाओं में नेतृत्व की लौ जगाई है
➲ तूफ़ानों में पली पीढ़ी– डॉ. राजेश्वर सिंह का चेतावनी और तैयारी का महामंत्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट कर युवा वर्ग के सामने खड़े अभूतपूर्व वैश्विक और राष्ट्रीय परिवर्तनों पर गहन चिंता और आशावादी दृष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी ने महामारी, युद्ध, साइबर हमले, क्लाइमेट संकट, मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ और तकनीकी परिवर्तन तक पिछले दस वर्षों में वह सब देखा है, जिसे पिछली पीढ़ियाँ पाँच दशकों में भी अनुभव नहीं कर सकीं। एक दशक जो युवाओं को परखा भी, परिष्कृत भी किया ़ डॉ. सिंह ने तथ्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि, COVID-19 ने दुनिया में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों की जान ली,

वैश्विक अर्थव्यवस्था 2020 में –3.3त्न तक सिमट गई, युवा रोजगार में ILO के अनुसार 8.7त्न की गिरावट दर्ज हुई, भारत ने 2023 में 14 लाख से अधिक साइबर हमलों का सामना किया, वायु प्रदूषण विश्वभर में 64 लाख मौतों का कारण बन रहा है, और मानसिक स्वास्थ्य मामलों में 25त्न की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि हर आंकड़ा एक चेतावनी है– तैयारी ही सुरक्षा है। डॉ. राजेश्वर सिंह का संदेश ़ यह पीढ़ी हर युद्ध के लिए तैयार है डॉ. सिंह ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज की लड़ाई सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि साइबरस्पेस, पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य और वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा के मोर्चों पर भी है। उन्होंने कहा, प्रिय युवाओं, आप ही कल के वास्तुकार हैं। Be prepared, not scared. उन्होंने युवाओं को चार दिशाओं में तैयारी का आह्वान किया़ Digital & AI Mastery – नई तकनीक समझना ही नई सुरक्षा है Environmental Responsibility – पृथ्वी की रक्षा, भविष्य की रक्षा Emotional & Ethical Balance – चरित्र ही सबसे बड़ा कवच National & Global Awareness – भारत को वैश्विक नेतृत्व देने की दृष्टि डॉ. सिंह ने जोर दिया कि Character > Comfort और कठिन समय कमजोर नहीं, बल्कि मज़बूत पीढ़ियाँ गढ़ता है। माता–पिता के लिए संदेश ़ ÒResilient CitizensÓ तैयार करें उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को भय से नहीं, विश्वास से आगे बढ़ाएँ। बच्चों में जिज्ञासा, संवाद और विफलताओं पर खुलकर बात करने की परंपरा को प्रोत्साहित करें। करियर जितना महत्वपूर्ण है, चरित्र उतना ही ज़रूरी है। अभिभावकों का विश्वास ही बच्चों की सबसे बड़ी ढाल बनता है। यह भारत के युवाओं का युग है – डॉ. सिंह उन्होंने कहा कि जहाँ हमारे पूर्वजों ने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, हमारे माता–पिता ने राष्ट्र–निर्माण की नींव मजबूती से रखी, वहीं आज की युवा पीढ़ी का संघर्ष डिजिटल, पर्यावरणीय और नैतिक चुनौतियों से है। और यह पीढ़ी Resilient, Responsible & Ready for the World भारत को Vision 2047 की दिशा में अग्रसर करने की क्षमता रखती है।

बुंदेलखंड की संस्कृति का भव्य उत्सव 39वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न विकास, विरासत और कला का अद्भुत संगम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बुंदेलखंड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद का 39वां स्थापना दिवस समारोह आज उ.प्र. उर्दू अकादमी प्रेक्षागृह, गोमतीनगर में धूमधाम से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कुंवर मानवेंद्र सिंह, सभापति विधान परिषद, उत्तर प्रदेश ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह की अध्यक्षता महेंद्र कुमार तिवारी, अध्यक्ष–परिषद ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश कुमार (महाप्रबंधक, यूनियन बैंक), विनोद चतुर्वेदी (विधायक, कालपी), डॉ. राजेश सिंह (प्रमुख सचिव, विधान परिषद), शिव प्रसाद आनंद, शिवशंकर अवस्थी, बद्री प्रसाद तिवारी, मनोज कुमार द्विवेदी और विनोद कुमार सोनकिया उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का परिषद द्वारा गरिमापूर्ण सम्मान किया गया। महासचिव इंजीनियर कैलाश जैन ने संस्था की गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण किया। स्वागत भाषण डॉ. जितेंद्र तिवारी ने तथा उद्बोधन महेंद्र भीष्म व सुरेंद्र अग्निहोत्री ने दिया। अतिथियों ने बुंदेलखंड के समग्र विकास पर विचार रखते हुए राजधानी में बुंदेलखंड भवन हेतु भूमि उपलब्ध कराने की मांग भी की। कार्यक्रम में रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित नृत्य (प्रस्तुतकर्ता–ईशा, निशा, मीमांसा, नेहा), नाटक 'कैक्ट संवाद' (निर्देशन–अर्चना गुप्ता, संगीत–चंद्रेश/योगेश पांडे) तथा बुंदेली गीत, राई नृत्य और अमृतलाल गोस्वामी टीम द्वारा आल्हा गायन ने समां बाँधा। दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना (अर्चना गुप्ता, अनीता जैन, रजनी विश्वकर्मा, प्रीति सिंह) के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संचालन अर्चना गुप्ता ने किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव अनीता राजीव ने रखा। इस अवसर पर आलोक जैन, के.पी. प्रजापति, योगेश चौहान, संजय गुप्ता, सविता शुक्ला, बी.एस. बुंदेला, रिषभ जैन सहित अनेक जन उपस्थित रहे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता से मिलने गये पूर्व मंत्री लिया, हाल-चाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बीमार चल रहे भाजपा नेता और सिंधी समाज के सतीश आडवाणी का हाल–चाल लेने पूर्व सांसद व मंत्री डा. रीता बहुगुणा जोशी समेत कई वरिष्ठ नेता समर बिहार स्थित उनके आवास गए और उनका हालचल लिया। हाल–चाल लेने वाले में आलमबाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय सनमुख, मोहम्मद हबीब बबलू, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा, जितेंद्र उपाध्याय समेत कई लोगों ने हाल–चाल लिया।बताते चलें कि सतीश आडवाणी की तबीयत खराब होने पर उन्हें पहले अवध अस्पताल और फिर मेदांता में भर्ती कराया गया, करीब 15 दिन भर्ती के बाद वह घर वापस आए हैं,डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

भारतीय सांस्कृतिक कला परम्पराओं पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष अपार उत्साह, गौरव और भव्यता के साथ मनाने जा रहा है। इस अविस्मरनीय अवसर पर 18 से 20 दिसम्बर 2025 तक विश्वविद्यालय के कला मण्डपम सभागार एवं विश्वविद्यालय परिसर में एक त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगीत सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशिष्ट कलाकार अपनी भव्य और रससिक्त प्रस्तुतियों द्वारा लखनऊ के कला प्रेमियों एवं रसिकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। 18 दिसम्बर उद्घाटन समारोहः गायन, वादन और नृत्य का समागम। उद्घाटन सत्र में देश के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पद्मभूषण पं. साजन मिश्रा अपनी मनमोहक गायकी प्रस्तुत करेंगे। सायंकालीन सत्र में नृत्य एवं वादन की स्वरलहरियाँ दर्शकों को रोमांचित करेंगी। कार्यक्रम में विश्वविख्यात नृत्यांगना पद्मविभूषण डॉ.

सोनल मानसिंह के शिष्यों का विशेष नृत्य-प्रदर्शन होगा। तत्पश्चात विश्वप्रसिद्ध सरोद वादक पद्मविभूषण उस्ताद अमजद अली खान, अयान अली बंगश और अमान अली बंगश के साथ अपनी अद्वितीय सरोद वादन-कला से रसिकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। 19 दिसम्बर नृत्य, ताल और नाट्य का संगम। प्रथम सत्र कथक नृत्य को समर्पित होगा, जिसमें कथक जगत के दिग्गज पं. राम मोहन महाराज, पं. जयकिशन महाराज, पं. दीपक महाराज और पं. त्रिभुवन महाराज अपनी साधना और ज्ञान दोनों को छात्रों, शोधार्थियों और अगली पीढ़ी के कलाकारों के साथ साझा करेंगे। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक उस्ताद अकरम खान एकल प्रस्तुति देंगे तथा तबले की बारीकियों पर विशेष चर्चा भी करेंगे। सायंकालीन सत्र नाट्य कला प्रेमियों के लिए समर्पित होगा। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध रंगकर्मी पद्मश्री प्रो. वामन केंद्रे अपने दल के साथ महाकवि भास की संस्कृत रचना मध्यम व्यायोग पर आधारित नाट्य प्रस्तुति 卐मोहे पिया卐 का मंचन करेंगे। 20 दिसम्बरः तबले की थाप, घुंघरुओं की झंकार एवं सुरों का प्रवाह अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक संजू सहाय एवं वरिष्ठ कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण विद्यार्थियों एवं प्रतिभाओं से अपने अनुभव साझा करेंगे तथा अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से दर्शकों को अभिभूत करेंगे। सायंकालीन सत्र में सुप्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना पद्मश्री रंजना गौहर एवं उनकी शिष्याएं अपनी विशेष प्रस्तुति देंगी। महोत्सव का समापन एक मधुर संगीत संध्या से होगा, जिसमें सुविख्यात गायक पद्मश्री हरिहरन अपनी ग़ज़ल और गायकी का जादू बिखेरेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो मांडवी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी वर्ष 2026 में चित्रकला और मूर्तिकला पर आधारित कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा। साथ ही पुरातन छात्र सम्मेलन और कला-संस्कृति से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष पर्यन्त जारी रहेगा। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ सृष्टि धवन ने सूचित किया कि शताब्दी समारोह के अवसर पर एक विशेष कला वीथिका का भी निर्माण किया जा रहा है, जो संस्थान की विगत सौ वर्षों की गौरवगाथा को अभिव्यक्त करेगी तथा नई पीढ़ी को भारतीय कला, संस्कृति और प्रदर्शन कलाओं से जोड़ने का माध्यम बनेगी। यह शताब्दी समारोह लखनऊ शहर के लिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक आयोजन होगा जहाँ कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा।

50 वर्षों से अधिक अमौसी–नादरगंज मार्ग पर भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या का किया गया समाधान

● क्षेत्र के लोगों ने पुलिस के ऐतिहासिक कार्य के लिए प्रशंसा की

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। राजधानी लखनऊ के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नदरगंज इंडस्ट्रियल एरिया, ट्रांसपोर्टर्स, इंडियन ऑयल गैस, हिंदुस्तान पेट्रोलियम आदि संस्थानों के चलते 50 वर्षों से अधिक क्षेत्र के लोग भीषण जाम से जूझ रहे थे और हर साल एक्सीडेंट से कई लोगों की जाने जाती थी. जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस के आलाधिकारियों ने सभी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर और टीम गठित कर इस भीषण जाम से निजात पाने के लिए समस्या के समाधान के लिए आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर* जॉइंट कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर बबलू कुमार द्वारा संचालित अभियान के क्रम में, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल एवं अपर पुलिस उपायुक्त

दक्षिणी रल्लापली वसन्थ कुमार के कुशल निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर रजनीश वर्मा के नेतृत्व में अमौसी–नादरगंज मार्ग पर 50 वर्ष सबसे अधिक भीषण जाम से जूझ रहे क्षेत्र के लोगों के विषय में ध्यान में रखते हुए जाम की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए एसीपी कृष्णानगर द्वारा ट्रांसपोर्टर्स, इंडियन ऑयल गैस, हिंदुस्तान पेट्रोलियम आदि संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई और जाम से से निजात पाने के लिए नई रणनीति तैयार की गई. बैठक में निर्णय लिया गया कि़ – पेट्रोल, डीज़ल व गैस से भरे टैंकरों की पार्किंग हेतु वैकल्पिक स्थान निर्धारित किया जाएगा। – सड़क किनारे खड़े टैंकरों पर रोक लगाई जाएगी। – सभी टैंकर चालकों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित स्थल के अतिरिक्त कहीं भी पार्किंग न करें। परिणामस्वरूप़ – मुख्य मार्ग पूरी तरह से बाधा मुक्त हुआ। – यातायात सुचारू हो गया। – नागरिकों का समय और संसाधन बचे*श। – एम्बुलेंस एवं आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध मार्ग प्राप्त हुआ। – *दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आई। यह पहल आमजन की सहूलियत, सुरक्षा एवं सुविधा की दिशा में एक प्रभावी कदम सिद्ध हुई है। नदरगंज इंडस्ट्रियल एरिया और क्षेत्र के लोगों ने बताया कि हम लोग 50 वर्षों से अधिक इस भीषण समस्या से जूझ रहे थे लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था. पुलिस के इस ऐतिहासिक कार्य के लिए भूरि भूरि प्रशंसा करते हैं. एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया 50 वर्षों से अधिक इस भीषण समस्या से निजात पाने के लिए यह कार्य सभी के सहयोग से संभव हो पाया है वहीं पर एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने सरोजिनी नगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति नादरगंज चौकी इंचार्ज वीर बहादुर दुबे इस कार्य के सराहना की गई?।

पैलिएटिव केयर विषय पर आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल रूप सें समापन हुआ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दो दिवसीय नेशनल एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर फॉर आयुष एवं इंटीग्रेटिव मेडिसिन एसोसिएशन (एनएपीसीएआईएम) के चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ के मिनी ऑडिटोरियम में समापन हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य पैलिएटिव केयर, आयुष पद्धतियों एवं समन्वित चिकित्सा प्रणाली के माध्यम से रोगियों को बेहतर एवं मानवीय उपचार उपलब्ध कराने पर विचार-विमर्श कर बेहतर इलाज प्रदान करना रहा। सम्मेलन का आयोजन कैंसर एड सोसाइटी एवं रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, एरा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। आज के सम्मेलन में भी विभिन्न चिकत्सा क्षेत्र के चिकित्सक, शोधकर्ता एवं आयुष विशेषज्ञ और नर्सिंग छात्रों ने प्रतिभाग किया और कैंसर व अन्य गंभीर रोगों के उपचार में पैलिएटिव केयर की भूमिका, समन्वित चिकित्सा पद्धतियों के नवाचार एवं शोध पर अपने विचार प्रस्तुत किया इस सम्मेलन से चिकित्सा क्षेत्र में नई दिशा तय होने की उम्मीद जताई जा रही है। आज के सम्मेलन में प्रमुख रूप सें पैलिएटिव केयर डॉ डी पी गुप्ता, डॉ तरुणा, डॉ प्रज्ञा डंगवाल, डॉ मलिक ने पैलिएटिव केयर उपचार की आवश्यकता और जागरूकता पर विचार प्रस्तुत किये। कैंसर एड सोसाइटी की निदेशक नेहा त्रिपाठी ने बताया लखनऊ केजीएमयू और एरा मेडिकल कॉलेज में पैलिएटिव केयर सेंटर पर रोगियों के इलाज के लिए सुविधाए शुरू है और आज के समय में लोगो के लिए पैलिएटिव केयर की आवश्यकता को देखते हुए, अलग-अलग मेडिकल कॉलेजो, अस्पतालो और ओल्डज होम में भी पैलिएटिव केयर सेंटर की शुरुआत की जायेगी जिससे ज्यादा सें ज्यादा लोगो को जागरूकता के साथ साथ रोगियों को रोग निदान प्राप्त हो।

राम सागर मिश्र चिकित्सालय में घुटना प्रत्यारोपण सेवाओं की शुरुआत

➤ **सीएमएस डॉ. वी.के. शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि क्षेत्र के मरीजों के लिए राहत और उम्मीद दोनों लेकर आई है। भविष्य में ऐसी उन्नत चिकित्सा सेवाओं का विस्तार और गति से किया जाएगा**

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। अपर निदेशक डॉ. जी.पी. गुप्ता व चिकित्सालय टीम ने किया बुजुर्ग मरीज का सफल प्रत्यारोपण चिकित्सालय में पहली बार हुआ घुटना प्रत्यारोपण लखनऊ बक्शी का तालाब, साढ़ामऊ स्थित राम सागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय में घुटना प्रत्यारोपण की बहुप्रतीक्षित सेवा औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। मंगलवार को अपर निदेशक लखनऊ मंडल एवं सिविल अस्पताल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. जी.पी. गुप्ता ने चिकित्सालय के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार के साथ मिलकर 64 वर्षीय मरीज का सफल घुटना प्रत्यारोपण किया। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक है और

तेजी से सुधार हो रहा है। इटौंजा के राजापुर गांव निवासी बुजुर्ग मरीज पिछले पाँच वर्षों से घुटने के तीव्र दर्द और चलने–फिरने में दिक्कत से जूझ रहे थे। स्थानीयस्तर पर उपचार से आराम न मिलने पर परिजन मरीज को 3 दिसंबर को राम सागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंचे। ओपीडी में डॉ. अशोक कुमार की जांच में ऑस्टियोआर्थराइटिस की पुष्टि होने पर घुटना प्रत्यारोपण की सलाह दी गई। परिजनों की सहमति के उपरांत टीम ने सर्जरी की पूरी तैयारी की और सफलतापूर्वक ऑपरेशन को संपन्न किया। चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. वी.के. शर्मा ने बताया कि हाल ही में अस्पताल निरीक्षण के दौरान डॉ. जी.पी. गुप्ता के साथ घुटना प्रत्यारोपण शुरू करने पर चर्चा हुई थी। उसी पहल के तहत आज पहली बार यह महत्वपूर्ण सर्जरी की गई। उन्होंने कहा कि अब अस्पताल में नियमित रूप से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की जाएंगी, जिससे बीकेटी व आसपास के क्षेत्र के मरीजों को निजी या दूरस्थ सरकारी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ऑपरेशन टीम डॉ. जी.पी. गुप्ता – अपर निदेशक, आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अशोक कुमार – आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सुशील प्रकाश डॉ. यू.एस. लाल – एनेस्थेटिस्ट डॉ. सुमित महाजन – चिकित्सा अधीक्षक सिस्टर ललिता मिश्रा सहित ऑपरेशन थिएटर का पूरा सहयोगी स्टाफ

इंडिगो एयरलाइन्स की उड़ानों के संकट में कुछ राहत,15 उड़ानें निरस्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

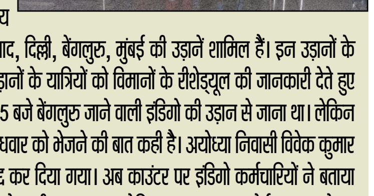

सरोजनीनगर। पिछले कई दिनों से इंडिगो एयरलाइन्स की उड़ानों के संकट से जूझ रहे विमान यात्रियों को मंगलवार को कुछ राहत मिली। एयरपोर्ट के इंडिगो काउंटर पर पिछले दिनों के मुकाबले आज स्थिति काफी सामान्य रही। मंगलवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लखनऊ आने - जाने वाली कुल 15 उड़ानें निरस्त कर दी गईं। जिसमें लखनऊ से रवाना होने वाली सात और आने वाली 8 उड़ानें शामिल हैं। मंगलवार सुबह पहली उड़ान 6ई-505 लखनऊ से कोलकाता के लिए निरस्त कर दी गई। हालांकि सुबह 6:40 से शाम 5:25 बजे तक की सभी उड़ानों का संचालन सामान्य रहा। शाम 6:30 से रात 10:45 बजे तक की छह उड़ानों को निरस्त किया गया है। इसमें अहमदाबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई की उड़ानें शामिल हैं। इन उड़ानों के निरस्त होने के कारण कई यात्री इंडिगो काउंटर के आसपास भटकते नजर आए।निरस्त की गई उड़ानों के यात्रियों को विमानों के रीशेड्यूल की जानकारी देते हुए इंडिगो कर्मचारियों ने अगले दिन उन्हें बुलाया है। सीतापुर के अतुल सिंह ने बताया कि उन्हें रात 10:45 बजे बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान से जाना था। लेकिन काउंटर पर आने के बाद पता चला कि उसे कैंसिल कर दिया गया है। हालांकि इंडिगो कर्मचारियों ने बुधवार को भेजने की बात कही है। अयोध्या निवासी विवेक कुमार ने बताया कि देर शाम 7:20 बजे दिल्ली जाने वाले इंडिगो उड़ान से उन्हें जाना था, लेकिन विमान रद्द कर दिया गया। अब काउंटर पर इंडिगो कर्मचारियों ने बताया कि अगले दिन भेजा जाएगा। इसी तरह मोहम्मद नदीम ने बताया कि उन्हें यहां से मुंबई और मुंबई से बहरीन जाना था। लेकिन लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचने पर पता चला कि शाम 7:40 बजे मुंबई जाने वाली उनकी उड़ान कैंसिल कर दी गई। अब उन्हें अगले दिन के लिए बुलाया गयाहै। ऐसे में रात भर लखनऊ में रुकना पड़ेगा। उधर मंगलवार को कोलकाता से सुबह 7:00 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 6139), दिल्ली से सुबह 9:40 बजे आने वाली (6 ई 2107), अहमदाबाद से शाम 5:50 बजे आने वाली (6ई 935), दिल्ली से शाम 6:40 बजे आने वाली (6 ई 6614), बेंगलुरु से रात 8:05 बजे पहुंचने वाली (6ई 451), मुंबई से रात 8:35 बजे आने वाली (6ई 5088), हैदराबाद से रात 9:15 बजे लखनऊ पहुंचने वाली (6ई 6167) और बेंगलुरु से रात 9:55 बजे लखनऊ पहुंचने वाली (6ई 903) रद्द रही। इसी तरह लखनऊ से सुबह 7:40 बजे कोलकाता जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 505), शाम 6:30 बजे अहमदाबाद जाने वाली (6ई 6968), रात 7:20 बजे दिल्ली जाने वाली (6 ई 6615), रात 8:45 बजे बेंगलुरु जाने वाली (6ई 6354), रात 9:40 बजे मुंबई जाने वाली (6ई 5201), रात 9:55 बजे हैदराबाद जाने वाली (6ई 6166) और रात 10:45 बजे बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 906) रद्द रही।

समाचार

परिवहन निगम को बचाने निकल पड़े कर्मचारी, अवध डिपो की सभा का आयोजन बुधवार को

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अवध डिपो एवं कैसरबाग डिपो के समस्त पदाधिकारी ,सदस्य गण साथ ही समस्त कर्मचारी नियमित, संविदा, आउट सोर्स के सभी साथियों आप अवगत हो कि कल बुधवार को अववध डिपो में एक सभा का आयोजन होना है मित्रों वर्तमान में परिवहन निगम एवं परिवहन निगम के कार्मिकों पर बहुत भारी संकट है इस संकट को मिटाने के बहुत प्रयास किए गए किंतु कोई समाधान नहीं हुआ आज परिवहन निगम को बचाने एवं परिवहन निगम के कर्मचारियों के भविष्य को बचाने के लिए हमको पूरी ताकत से संघर्ष की जरूरत है। हमारा संघटन जे एन तिवारी प्रदेश अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के साथ है उनके नेतृत्व में पूरे प्रदेश में जन जागरण /मंडलीय बैठक हो रही है इसी क्रम में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के समस्त कर्मचारियों को एक जुट करने और 20 जनवरी को विधान सभा का घेराव करने में परिवहन निगम का सदेव अहम किरदार रहा है जनजागरण की शुरुआत कल 10 दिसंबर से अवध डिपो से हो रही है आप सभी लखनऊ छेत्र के समस्त कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में अवध डिपो में समय 13 बजे पहुंचे ताकि परिवहन निगम के अस्तित्व पर और जो कर्मचारियों के भविष्य के लिए एक जुट होना ही होगा।

सीजीएसटी विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र का कायाकल्प

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सीजीएसटी ऑडिट आयुक्तालय, लखनऊ जो सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, लखनऊ ज़ोन के क्षेत्रीय नियंत्रण में कार्यरत है—ने स्वच्छता कार्य योजना 2025–26 के अंतर्गत एक विशेष परियोजना का शुभारंभ किया। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन, जिसे वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था, के महत्वपूर्ण घटक खुले में शौच–मुक्त (ODF) कार्य को समर्थन/ह्ष्ट्स्न गाँव को समर्थन विषय पर आधारित है। परियोजना के तहत संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र का संपूर्ण कायाकल्प आवश्यक माना गया। इसमें भवन की छत से होने वाले रिसाव की मरम्मत, दीवारों में सीपेज का उपचार, अंदर एवं बाहर नई प्लास्टरिंग, खिड़कियों पर जालियों की स्थापना, मुख्य बरामदे में ग्रिल/गेट लगाना, रंग–रोगन तथा फर्श पर टाइल बिछाने जैसे कार्य शामिल थे। सीजीएसटी ऑडिट आयुक्तालय, लखनऊ ने इस परियोजना को स्वयं अपने संरक्षण में लेकर सभी निर्धारित कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए। नवीनीकरण पूर्ण होने के बाद आंगनवाड़ी केंद्र को उपयोग हेतु बाल विकास विभाग को सौंप दिया गया। नवीनीकरण के पश्चात आंगनवाड़ी केंद्र का औपचारिक उद्घाटन पी. के. कटियार, मुख्य आयुक्त, सीजीएसटी लखनऊ ज़ोन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुकेश कुमार पाल, आयुक्त, सीजीएसटी (ऑडिट) आयुक्तालय, लखनऊ; हुसैन धर द्विवेदी, अपर आयुक्त; पियूष कटियार, अपर आयुक्त; सुजाता यादव, संयुक्त आयुक्त तथा गणेश रावत, अध्यक्ष, नगर पंचायत बक्शी–का–तालाब भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में सीजीएसटी विभाग एवं बाल विकास विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारतीय मानवाधिकार परिवार द्वारा आज मानवाधिकार जागरूकता अधिवेशन का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर आज 10 दिसंबर को भारतीय मानवाधिकार परिवार द्वारा मानवाधिकार जागरूकता अधिवेशन का आयोजन अपराह्न 1 बजे से सांय 5 बजे तक कैसरबाग स्थित गाँधी भवन में आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी संगठन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश गुप्ता एवं अमित शर्मा ने देते हुए बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय गिरीश अवस्थी के संयोजन में आयोजित होने वाले अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल,माननीय न्यायमूर्ति राजीव लोचन मैहरोत्रा, सदस्य– राज्य मानव अधिकार आयोग, उत्तर प्रदेश बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। अधिवेशन में विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, पवन सिंह, अवनीश कुमार सिंह, रामचंद्र प्रधान, विधायक नीरज बोरा, ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. राजेश्वर सिंह एवं भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, आर एस एस प्रमुख प्रशांत भाटिया, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, डी.आई.जी. अखिलेश निगम इत्यादि बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। अधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक निवर्तमान राज्य सभा सांसद डॉ. अशोक वाजपेई करेंगे।

जनता दरबार में महापौर ने सुनी समस्याए

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

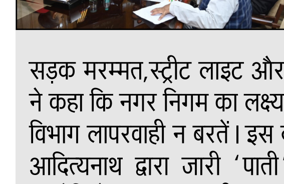

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनता दरबार में महापौर सुषमा खर्कवाल ने विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत निस्तारण के निर्देश दिए। सफाई,जल निकासी, सड़क मरम्मत,स्ट्रीट लाइट और कर संबंधी मुद्दे मुख्य रूप से उठे।महापौर ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य समयबद्ध व पारदर्शी सेवाएँ देना है,इसलिए विभाग लापरवाही न बरतें। इस दौरान उन्होंने नागरिकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जारी 'पाती' के बारे में भी जागरूक किया,जिसमें घुसपैठियों पर चल रही कानूनी कार्रवाई और पहचान सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।महापौर ने लोगों से अपील की कि मुख्यमंत्री का संदेश अधिक से अधिक फैलाएँ और सुरक्षा व सामाजिक समरसता बनाए रखने में सहयोग करें।

संपादकीय

निर्वाचन की विश्वसनीयता कायम रखना बहुत जरूरी है

किसी सच्चे लोकतंत्र में एक स्वतंत्र, निडर और गैर-पक्षपाती लोकपाल के बिना निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। हमारी संवैधानिक व्यवस्था ने यही भूमिका भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दी है। यदि यह धारणा बन जाए कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता से समझौता किया जा चुका है तो पूरे तंत्र से भरोसा उठने लगेगा और चुनाव अपनी लोकतांत्रिक वैधता खो देंगे। चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को 'पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण' का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक-सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे। लेकिन अनुच्छेद 324 में कुछ अन्य निर्वाचन आयुक्तों की परिकल्पना की गई, जिन्हें समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जा सके। 1989 में संसद ने कानून बनाकर आयोग को तीन सदस्यीय संस्था बना दिया। 12 दिसम्बर 1990 को टीएन शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के साथ ही निर्वाचन आयोग चुनावों की निगरानी का एक ताकतवर संस्थान बन गया। शेषन ने वोटरों को रिश्वत-शराब बांटने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और धर्म-जाति के नाम पर वोट मांगने जैसी 150 से ज्यादा चुनावी गड़बड़ियों की पहचान की। उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर इसे फिर से प्रभावी बनाया। मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य किया, चुनाव खर्च की सीमा तय की और मतदान वाले राज्य से बाहर के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने लगे। पहली बार स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया, जिससे चुनावों में बाहुबल का इस्तेमाल काफी मुश्किल हो गया। शेषन की निगरानी में हुए 1992 के चुनावों में गड़बड़ियों के चलते कुछ निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव तक रद्द कर दिया गया था। 1993 में चुनाव खर्च का ब्योरा न देने पर संसदीय चुनाव के 1488 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शेषन ताकतवर राजनेताओं से टकराने में नहीं हिचकते थे। नेताओं को उनका संदेश था कि चुनाव रेवड़ियां बांटने और धनबल-बाहुबल की नुमाइश का तमाशा नहीं है। लेकिन कोई अकेला व्यक्ति संस्थागत ईमानदारी बनाए रखने के लिए काफी नहीं हो सकता। क्योंकि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि आयुक्तों के चयन में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चयन समिति में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन 2023 में ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सलाह को दरकिनार कर एक कानून के जरिए सीजेआई के स्थान पर मंत्रिमंडल के एक और सदस्य को समिति में शामिल कर दिया। इससे निर्वाचन आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में सत्ताधारी दल को भारी फायदा मिल गया। दूसरे, इसी कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शेष दो आयुक्तों को हटाने का अधिकार दे दिया गया, जिससे आयुक्तों के बीच समानता का दर्जा समाप्त हो गया। ऐसे में आयुक्तों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, यहां तक कि सरकार के रुख से भी सहमत होने का दबाव बढ़ गया। पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा के साथ जो हुआ, सबके सामने है। उन्होंने सत्ताधारी दल से असहमति जताने की हिम्मत दिखाई थी। तीसरे, शेषन के बाद आदर्श आचार संहिता कभी इतनी सख्ती से लागू नहीं हो पाई। ताजा उदाहरण लें। यों निर्वाचन आयोग पहले से जारी सरकारी योजनाओं तक में नगद सहायता के हस्तांतरण पर चुनाव से महीनों पहले रोक लगा देता है, लेकिन बिहार में आचार संहिता से एक घंटे पहले प्रति विधानसभा क्षेत्र 60 से 62 हजार महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए का वितरण रोकने के लिए उसने कुछ नहीं किया। आचार संहिता लागू होने के बाद भी नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जाने पर रोक नहीं लगाई। वोटरों को ले जाने के लिए मुफ्त ट्रेनों के संचालन पर आंखें मूंद लीं। जो आचार संहिता केवल विपक्ष पर लागू हो, सत्ताधारी दल पर नहीं, उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर हो जाता है। सवाल चुनाव जीतने या हारने का नहीं, बल्कि चुनावों की विश्वसनीयता कायम रखने और सभी प्रत्याशियों को समान अवसर सुनिश्चित करने का है। हमें कैसा निर्वाचन आयोग चाहिए- जो सिर्फ चुनाव कराए, या जो लोकतंत्र की रक्षा भी करे?

वंदे मातरम का उद्घोष

यह सुखद ही है कि कृतज्ञ राष्ट्र देश के स्वतंत्रता सेनानियों में ओज का संचरण करने वाले गीत वंदे मातरम के सृजन के डेढ़ सौ साल पूरे होने को एक उत्सव की तरह मना रहा है। स्वतंत्रता के लिये संघर्षरत करोड़ों भारतीयों में इस गीत ने आजादी का जज्बा भरा था। लाखों स्वतंत्रता सेनानी इस गीत से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में सर्वस्व अर्पित करने को तत्पर हो जाते थे। इस पावन वेला में देश के विभिन्न भागों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सही मायनों में यह अवसर राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है। इस गीत की सर्वस्वीकार्यता का आलम ये था कि भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान की दृष्टि से देखा था। इसी आलोक में वंदे मातरम के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर लोकसभा में इस पर चर्चा का शुरू होना सुखद ही है। संसद में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि जब इस गीत के सृजन के पचास साल पूरे हुए तो देश परतंत्र था। जब इसके सौ साल पूरे हुए तो देश आपातकाल के दौर से गुजर रहा था, फलतरू उस दौर में इस गीत को जनता व स्वतंत्रता सेनानियों का सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। निस्संदेह,बंकिम चंद्र चटर्जी की इस रचना ने बंगाल में क्रांतिकारियों को गहरे तक प्रेरित किया और स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। हालांकि, विपक्ष इसे सुर्खियों में लाने के फैसले के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहा है। वे इसके समय को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं। अविभाजित बंगाल की पृष्ठभूमि में जन्मे इस ओज के गीत को बंगाली समाज ने अपनी अस्मिता से जोड़कर देखा। खासकर बंगाल विभाजन के बाद इसे बंगाल की अस्मिता पर फिरंगियों के प्रहार के दौर में एक मरहम के तौर पर देखा। निस्संदेह, देश ऐसे स्मरण उत्सव का हकदार है, मगर वे चुनावी नजरियों से मुक्त हों। विपक्ष की दलील है कि जब पश्चिम बंगाल एक महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है तो इस गीत के प्रसंगवश राजनीतिक लाभ-हानि के तर्क गढ़े जा रहे हैं। संसद में प्रधानमंत्री के संबोधन में वंदे मातरम को एकता के सूत्रधार के रूप में सराहा गया। लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों पर भी चर्चा हुई। दरअसल, उन्होंने जब भी कांग्रेस की आजादी से पहले और बाद की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया या फिर ऐतिहासिक विवादों का नये सिरे से जिक्र किया, तो विपक्ष ने उसे निशाने पर लिया। विपक्षी दलील है कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान करने की कवायद में वैचारिक विभाजन को हवा दी जा रही है। कहा गया कि पश्चिम बंगाल, जहां इस गीत का जन्म हुआ, वहां की सांस्कृतिक पहचान राजनीति से जुड़ी रही है। वंदे मातरम एक भावनात्मक प्रतीक है और इसीलिए एक रणनीतिक प्रतीक भी। दरअसल, विपक्ष की नाराजगी राजग सरकार की उस प्रवृत्ति को लेकर है जिसमें वह सांस्कृतिक प्रतीकों को राजनीतिक अखाड़े में बदल रही है। उन्हें आशंका है कि साझी विरासत पर चिंतन के लिये आयोजित विमर्श का उपयोग चुनावी लाभ अर्जित करने के लिये किए जाने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी जड़ें जमाए हुए है, फिर भी उसे सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। संसद में राष्ट्रीय गीत पर चर्चा का ममता बनर्जी द्वारा समर्थन किया जाना दर्शाता है कि वह इस मुद्दे को छोड़ने का इरादा नहीं रखती हैं। विडंबना ही है कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों में ओज भरने वाले गीत के विमर्श में चिंतन की गंभीरता प्रभावित हुई है।

संसद में खतरनाक खेल की शुरुआत

> "देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खेल को भाजपा अब एक खतरनाक स्तर पर ले आई है। इसे रोकना या इसका हल निकालना आसान नहीं है, क्योंकि अब ध्रुवीकरण हिंदू या मुसलमान बोलकर नहीं हो रहा है, राष्ट्रवाद के नाम पर हो रहा है"

देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खेल को भाजपा अब एक खतरनाक स्तर पर ले आई है। इसे रोकना या इसका हल निकालना आसान नहीं है, क्योंकि अब ध्रुवीकरण हिंदू या मुसलमान बोलकर नहीं हो रहा है, राष्ट्रवाद के नाम पर हो रहा है। इस खेल में इतिहास को बदला जा रहा है, तथ्यों पर झूठ चढ़ाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह सब संस्थागत तरीके से हो रहा है। सोमवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा करना इसी का प्रमाण है। इस बार का शीतकालीन सत्र बेहद छोटा है, जिसमें कामकाज के कुछ घंटे पहले ही हंगामे में निकल चुके हैं। बचे वक्त का अच्छा इस्तेमाल देश के सामने आई बड़ी विपदाओं पर चर्चा कर उनका हल निकालने या विकास के लिए जरूरी मुद्दों पर विमर्श करने में लगाया जा सकता था। एसआईआर के कारण बीएलओज की मौत, इंडिगो संकट के कारण लाखों यात्रियों पर आई मुसीबत, दिल्ली में आतंकी हमला, प्रदूषण, रुपए की गिरती कीमत, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के पेंच, महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, किसान-मजदूर हित, युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति ऐसे ढेरों मुद्दे हैं जिन पर संसद का कीमती वक्त लगना चाहिए था। लेकिन सोमवार से लेकर मंगलवार तक लोकसभा और फिर राज्यसभा में वंदेमातरम् पर चर्चा तय की गई। देश में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि डेढ़ सौ साल पहले लिखे गीत को लेकर अकारण बहसबाजी की जाए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी यह दुस्साहस कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हर हाल में देश को उन ताकतों से मुक्त करना है, जिनके कारण संविधान बना हुआ है। यह संविधान ही है जो देश में तानाशाही कायम नहीं होने देता। लोगों को हिम्मत देता है कि अगर उन्हें सरकार का कोई फैसला पसंद न आए या अपने हित खतरे में पड़ते दिखें तो उसके खिलाफ आवाज उठाएं। इसी संविधान की दी हुई ताकत से किसानों ने एक साल लंबा आंदोलन चलाया, जिसके बाद नरेन्द्र मोदी को कृषि कानून वापस लेने पड़े। अभी संचार साथी ऐप प्रीइंस्टाल करने का फैसला हटाना पड़ा। वक्फ संशोधन अधिनियम को संसदीय समिति के पास भेजना पड़ा। ऐसे कई उदाहरण है, जिनमें बहुमत के बावजूद मोदी सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। यही बात शायद सरकार को खटक रही है, क्योंकि इस बार तो संसद में विपक्ष पहले से अधिक ताकतवर है। ऊपर से बिहार चुनाव हारने के बावजूद राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा छोड़ नहीं रहे हैं। इसलिए अब नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् का विवाद खड़ा कर कांग्रेस को निशाने पर लेने की एक और कोशिश की है। संसद में श्री मोदी के भाषण से यह समझ आ गया कि चर्चा शब्द का मुखौटा लगाकर भाजपा देश को नुकसान पहुंचाने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही है, ठीक ऐसा ही काम भाजपा के पुरखों यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू महासभा ने किया था। आजादी की लड़ाई के लंबे कालखंड में संघ का योगदान रत्ती भर भी देखने नहीं मिलता है। बल्कि इस बात के सबूत हैं कि वी डी सावरकर ने सजा से बचने के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी और उनकी सेवा करने का वचन दिया। भारत छोड़ो आंदोलन के वक्त भी संघ के लोग अंग्रेजों के लिए मुखबिरी कर रहे थे और जनता को अंग्रेजी फौज में भर्ती होने के लिए उकसा रहे थे। लेकिन आज उसी संघ से निकले नरेन्द्र मोदी कांग्रेस पर देश विभाजन का आरोप लगा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे के लिए झुकी। इसलिए कांग्रेस को एक दिन भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया था। इसको लेकर कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा था। इसके बाद उन्होंने कहा कि श्जब वंदे मातरम् के 100 साल हुए थे, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। लगभग एक घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री ने 13 बार कांग्रेस और 7 बार नेहरू का नाम लिया। श्री मोदी ने पं.नेहरू को मुस्लिम लीग के आगे झुकता बता दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि 1937 में ब्रिटिश इंडिया में कुल 11 राज्य थे, तब चुनाव हुए तो कांग्रेस ने 7 राज्यों में सरकार बनाई। मुस्लिम लीग ने एक राज्य भी नहीं जीता था। लेकिन तब भी और फिर 1941-42 में भी सावरकर की हिंदू महासभा ने मुस्लिम लीग के साथ तीन राज्यों में गठबंधन सरकार बनाई। जब देश आजाद हुआ तो 15 अगस्त 1947, आधी रात को संविधान सभा में श्रीमती सुचेता कृपलानी ने वंदे मातरम् का गायन किया। फिर 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत घोषित किया। तब कांग्रेस की ही सरकार थी और नेहरू ही प्रधानमंत्री थे। कांग्रेस के अधिवेशन में तो आज भी वंदे मातरम् गाया जाता है। लेकिन संघ में तिरंगे और वंदेमातरम् दोनों से परहेज किया गया। अगर मोदीजी को इतिहास सुधारना ही था, तो उसकी शुरुआत अपने मातृसंगठन से करनी चाहिए था। बहरहाल, उनका मकसद वंदेमातरम् के बहाने बंगाल चुनाव साधना है, यह सबको समझ आ रहा है। बंगाल चुनाव में बार-बार की कोशिशों के बावजूद भाजपा को पहले सफलता नहीं मिली, तो अब हिंदू-मुस्लिम पर उतर आई है। बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर मुसलमानों को शक के दायरे में लाना, हुमायूं कबीर का बाबरी मस्जिद बनवाने का ऐलान और अब वंदे मातरम, सब के तार बंगाल चुनाव से जुड़ते हैं।

क्या हमारा संविधान भारत को एक सूत्र में बांध रहा या बांट रहा?

चूंकि भारत इस तरह के व्यापक परिवर्तन के लिए तैयार नहीं है, जिसका मुख्य कारण यह है कि अमरीकन प्रणाली अपरिचित है और स्वदेशी नहीं है, इसलिए हमें अन्य सुधारों पर विचार करना चाहिए। जैसे कि, राष्ट्रपति का सीधे चुनाव करना और उनको अधिक विवेकाधीन अधिकार देना, प्रत्येक राज्य को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए राज्यसभा का पुनर्गठन, या सांप्रदायिक मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एक अखिल समुदाय परिषद की स्थापना करना, इत्यादि

हम भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, यह समय उपयुक्त होगा कि हम ईमानदारी से मूल्यांकन करें कि यह एकता और सामाजिक सद्भाव को विकसित करने में विफल क्यों रहा है। भारतीयों में एकता के अभाव के उदाहरण बहुत हैंज हिंदू-मुस्लिम हिंसा, जाति-आधारित राजनीति, उत्तर-दक्षिण विभाजन, भाषाई विवाद, कश्मीर और पंजाब में अलगाववादी आंदोलन, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में सशस्त्र विद्रोह, मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा, इत्यादि। चूंकि इनमें से कई संघर्ष आजादी के बाद से जारी रहे हैं और कई नए हैं, इसलिए एक राजनीतिक दल या नेताओं के एक समूह को दोष देना मुश्किल है। इस तरह की व्यापक कलह भारत के शासन के तरीके में मूलभूत समस्या की ओर इशारा करती है। जब हमारे संस्थापकों ने 1950 में संविधान को अपनाया, उन्हें उम्मीद थी कि यह देश को एक साथ रखने वाले गोंद के रूप में काम करेगा। उन्होंने दस्तावेज में उस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कई विशेषताओं को शामिल किया ज्संसदीय निगरानी के साथ बहुमत-शासन, एकीकृत केंद्र के साथ राज्यों का संघ, धर्मनिरपेक्ष संरक्षण के साथ धर्म की स्वतंत्रता, और राष्ट्रीय भाषा थोपे बिना क्षेत्रीय भाषाओं की मान्यता। संविधान की ये सभी तथाकथित एकीकृत विशेषताएं एकजुटता लाने में विफल रही हैं। बहुमत के शासन पर कोई संसदीय नियंत्रण नहीं है, केंद्र राज्यों पर हावी है, धर्मनिरपेक्ष संरक्षण अर्थहीन हो गए हैं, और भाषाई लड़ाई जारी है। आइए इनमें से प्रत्येक कमी की जांच करें। भारत का राजनीतिक विखंडन काफी हद तक देश के स्थायी हिंदू बहुमत से उपजा है। चूंकि धर्म एकजुट करने की सबसे शक्तिशाली शक्ति है, इसलिए हिंदू वोट स्वाभाविक रूप से समय के साथ एकजुट हो गया। विपक्ष के पास कुछ ही विकल्प बचे थे, उन्होंने तीन रणनीतियों का सहारा लिया ־ 1. हिंदू वोटों को जातीय आधार पर विभाजित करना, 2. क्षेत्रीय दल बनाना, या 3. अल्पसंख्यक समूहों को एकजुट करना। इसके परिणामस्वरूप एक खंडित राजनीतिक परिदृश्य पैदा हुआ, जिसमें कई पार्टियां देश को धर्म, क्षेत्र, या जातीय के आधार पर विभाजित करने में जुट गयीं। इस मुद्दे को और जटिल बनाने वाली भारत की संसदीय प्रणाली है, जो बहुमत के नेता के हाथों में विधायी और कार्यकारी दोनों शक्तियों को सौंप देती है। प्रधानमंत्री, या राज्य स्तर पर मुख्यमंत्रियों के हाथों में सत्ता का यह केंद्रीकरण, असहमति या अल्पमत की आवाजों को सुनने के लिए बहुत कम जगह छोड़ता है। संविधान भारत को 'राज्यों का संघ' के रूप में वर्णित करता है, जो सहकारी संघवाद और क्षेत्रीय विविधता के सम्मान का सुझाव देता है। व्यवहार में, हालांकि, प्रणाली केवल रूप में संघीय है और आत्मा में काफी हद तक एकात्मक है। राष्ट्रीय विखंडन के डर से, निर्माताओं ने एक ऐसी संरचना बनाई जिसमें केंद्र हावी है और राजकोषीय, विधायी और प्रशासनिक शक्तियों से राज्यों पर नियंत्रण रखता है। समय के साथ, संवैधानिक संशोधनों और राजनीतिक परंपराओं ने इस असंतुलन को और भी आगे बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति, जिसकी मूल रूप से केंद्रीय कार्यकारिणी पर एक संभावित जांच के रूप में कल्पना की गई थी, प्रधानमंत्री के अधीनस्थ हो गए हैं। केंद्र द्वारा नियुक्त राज्यपाल अक्सर तटस्थ संवैधानिक प्राधिकारियों के बजाय पक्षपातपूर्ण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं। इस केंद्रीय प्रभुत्व ने सहयोग के बजाय जबरदस्ती पर आधारित संघवाद का निर्माण किया है। नतीजतन, भारत को कई राज्यों में अलगाववादी आंदोलनों और आंतरिक संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के बीच क्षेत्रीय विभाजन भी बढ़ रहा है। संवैधानिक विद्वान ग्रैनविल ऑस्टिन ने लिखा कि ''अति-केंद्रीकरण ने केंद्र-राज्य संबंधों के लिए संविधान के कई प्रावधानों को असंतुलित कर दिया और एकता के कारण को पीछे धकेल दिया।'' राज्य के मामलों में केंद्रीय हस्तक्षेप स्थानीय सरकारों को आंतरिक विवादों को हल करने और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संबोधित करने की जिम्मेदारी से बचने की अनुमति देता है। मैंने पहले तर्क दिया है कि यह तथाकथित 'मजबूत केंद्र' कई राज्य-स्तरीय संघर्षों की जड़ है और हिंसक क्षेत्रीय आंदोलनों को हल करने में विफल रहा है। प्रारंभिक गणराज्य में उभरे अलगाववादी संघर्ष .. तमिल, सिख, कश्मीरी और नागा .. आज भी जारी हैं। 1967 में पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ माओवादी विद्रोह केवल तेज होता गया, अंततः बिहार, झारखंड और अन्य क्षेत्रों में फैल गया। 2010 में, सेवानिवृत्त मेजर जनरल अशोक मेहता ने कहा कि ''1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत द्वारा लड़े गए पांच युद्धों की तुलना में आंतरिक असुरक्षा के कारण अधिक लोगों की जान गई है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान का एक और स्तंभ है जो सैद्धांतिक रूप में महान प्रतीत होता है लेकिन निष्पादन में त्रुटिपूर्ण है। संविधान धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और धार्मिक आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है।

मेषः- आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे। व्यवसाय में भी संभलकर चलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृषभः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुनः- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्कः- गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंहः- आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुलाः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

वृश्चिकः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनुः- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

नियम बनाकर उनसे पीछे हटने से क्या संदेश जाता है?

मिन्हाज मर्चेंट

इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश के हवाई अड्डों पर जो अराजकता पैदा हुई है, उसने मुख्यतया दो सवाल खड़े किए हैं। पहला, क्या डीजीसीए ने पायलटों और चालक दल पर नए नियम लागू करने में जरूरत से ज्यादा सख्ती दिखाई थी? दूसरा, क्या इन नियमों के पालन में लापरवाही के लिए इंडिगो जिम्मेदार है? डीजीसीए को अपने नए दिशानिर्देश अस्थायी रूप से वापस लेने पड़े हैं। उन दिशानिर्देशों के अनुरूप पायलटों और चालक दल के रोस्टर की तैयारी के लिए इंडिगो के पास 20 महीने का समय था। पायलट-प्रति-विमान अनुपात के मामले में इंडिगो- एअर इंडिया और अन्य भारतीय एयरलाइनों की तुलना में सबसे नीचे है। वास्तव में पायलटों की कम संख्या इंडिगो की लागत घटाने की रणनीति का हिस्सा है। इसी ने उसे दुनिया की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली एयरलाइनों में शामिल किया है। 2024-25 में उसने 7,258 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था और उसकी मार्केट-कैप 2.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई थी। एयर डेक्कन के जीआर गोपीनाथ ने एक लेख में कहा है कि डीजीसीए के नियम तय करते हैं, पायलट और केबिन-क्रू अधिकतम कितने घंटे काम, उड़ान व ड्यूटी पर रह सकते हैं। नियम कह सकते हैं कि कोई पायलट एक वर्ष में 900 घंटे की उड़ान भर सकता है, लेकिन 28 दिनों में 100 घंटे से अधिक नहीं। या दो पायलटों के साथ 8 घंटे से अधिक उड़ान नहीं। जबकि 3-4 पायलटों के साथ एक दिन में 13-16 घंटे तक की ऐसी उड़ानें संभव हैं, जिनमें 5-6 से अधिक स्टॉपओवर और रात में अधिक लैंडिंग शामिल न हों। लेकिन डीजीसीए-इंडिगो विवाद दिखाता है कि कैसे रेगुलेटरी अथॉरिटी व्यापारिक दक्षता बढ़ाने के मूल उद्देश्य को ही बाधित कर देते हैं।

हाल में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व वाले दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने मोबाइल फोन निर्माता कंपनियों के लिए संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने का निर्देश जारी किया था। इसका उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी रोकना था, लेकिन एक्टिविस्टों का कहना था कि इससे डेटा चोरी बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, इंडिगो मामले की तरह सरकार को इसमें भी नियम में संशोधन करना पड़ा और संचार साथी एप की प्री-इंस्टॉलेशन को स्वैच्छिक कर दिया गया। अपने फैसलों से इस तरह लगातार पीछे हटने से संकेत मिलता है कि नियामक संस्थाएं नौकरशाही के नियंत्रण में फंस चुकी हैं। प्रक्रियाओं को सरल बनाने के बजाय नए नियम अकसर उनके अनुपालन को कठिन बना देते हैं, जिससे अधिकारियों को अधिक शक्तियां मिल जाती हैं। यह ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के लक्ष्य के विपरीत है। कई नए नियम तो बिना संभावित परिणामों का पर्याप्त अध्ययन किए लागू किए प्रतीत होते हैं। कुछ सप्ताह पहले ही सरकार को क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (क्यूसीओ) वापस लेने पड़े थे, जिनसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यावहारिक रूप से दूभर हो गया था। जरूरत से ज्यादा नियम लादने का मूल कारण यह है कि एआई और ऑटोमेशन के दौर में अधिकारी अपने-अपने डोमेन पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं। तकनीकी बदलावों ने वे रास्ते बंद कर दिए हैं, जिनके माध्यम से अधिकारी अपने विवेकाधिकार का उपयोग करके लाभ उठा सकते थे। जैसे-जैसे वे मौके समाप्त हो रहे हैं, नौकरशाही नए नियमों के जरिए फिर से कुछ अधिकार प्राप्त करने की कोशिश कर रही है।

अनुपालन को कठिन बनाकर इन अवसरों की खिड़की को थोड़ा-सा खुला रखा जाता है। मसलन, आधार कार्ड को लेकर हाल ही में किए गए बदलाव में केयर ऑफविकल्प- जिसमें पिता का नाम दर्ज होता था- हटा दिया गया।

इससे आधार केंद्रों पर भौतिक सत्यापन के लिए लंबी कतारें लग गईं और आरटीओ में भी लोगों को कठिनाई हुई, क्योंकि सभी विवरणों का मेल आवश्यक था। आमजन के काम को सरल बनाने की जगह ऐसे रेगुलेटरी बदलाव उसे और जटिल कर देते हैं। इंडिगो-डीजीसीए विवाद ने इस एयरलाइन की साख के साथ-साथ डीजीसीए की निगरानी क्षमता पर भी आघात किया है। नागरिक उड्डयन नियामक पहले ही एयर इंडिया बोइंग दुर्घटना पर अपनी जल्दबाजी में तैयार रिपोर्ट को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है। उस रिपोर्ट में अमेरिकी विमान निर्माता को लगभग दोषमुक्त दिखाया गया था और दोष पायलट पर मढ़ दिया गया था। आज डीजीसीए में स्टाफकी भारी कमी है और कार्यभार अत्यधिक है। प्रभावी नियमन के लिए दोनों समस्याओं का समाधान आवश्यक है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और एविएशन की विश्वसनीयता बनी रहे। ज्यादा नियम लादने का कारण यह है कि एआई व ऑटोमेशन के दौर में अधिकारी पने डोमेन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जैसे-जैसे पुराने मौके समाप्त होते हैं, वे नए नियमों के जरिए अधिकार पाने की कोशिश करते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में वर्तमान प्रवृत्तियाँ (सी-टी-एन-पी-आर 2025) का हुआ भव्य उद्घाटन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में वर्तमान प्रवृत्तियाँ (सी-टी-एन-पी-आर 2025) का उद्घाटन आज बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में हुआ, जिसका आयोजन महिला महाविद्यालय के बनस्पति और बायो इन्फों में टिक्स विभाग द्वारा मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय को पुष्प अर्पित करके और दीप प्रज्वलन से हुई। प्रो. रीता सिंह, प्राचार्य, महिला महाविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया और स्वास्थ्य सेवा नवाचार और सतत विकास में प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। सम्मेलन की अध्यक्षा प्रो. नीलम अत्री ने सहयोगात्मक और बहु-संस्था गत वैज्ञानिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। संयोजक प्रो के एन. तिवारी ने सम्मेलन के थी मैटिक विज़न और वैज्ञानिक ढांचे की रूपरेखा प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि, प्रो. वीरानूट निस्सा पैट्रोन ने भारत के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे शैक्षणिक संबंधों जिसमें नई दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में उनका प्रशिक्षण शामिल है को याद किया और प्राकृतिक उत्पाद अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए भारत और थाईलैंड के बीच अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि डॉ. सुदेश कुमार यादव, निदेशक, आई.एच.बी. टी. (हिमालयन औषधीय और सुगंधित पौधे संस्था न, पलामपुर) पलामपुर ने औषधीय और सुगंधित पौधों में ट्रांसलेशनल रिसर्च की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और आई.एच.बी.टी. तथा साझेदार संस्था नों द्वारा की जा रही प्रमुख पहलों की जानकारी साझा की। कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रकृति ने न केवल जैविक विज्ञान के क्षेत्र में बल्कि आधुनिक तकनीकों में भी नवाचार को हमेशा प्रेरित किया है जैसे मानव मस्तिष्क से प्रेरित न्यूरल नेटवर्क। उन्होंने शोधकर्ताओं को सामाजिक दृष्टि से प्रभावशाली और प्रासंगिक वैज्ञानिक परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन सत्र संचालन प्रो. रिचा रघुवंशी ने किया, जो प्रो. निशी कुमारी के साथ सह-संयोजक भी हैं। आयोजन सचिव डॉ. शची सिंह में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और डॉ राकेश पांडेय के साथ उद्घाटन कार्यक्रम का समन्वय किया। सम्मेलन के संयोजक डॉ. राजीव मिश्रा भी उपस्थित थे और सह-संयोजकों के साथ सम्मेलन आयोजन गतिविधियों में समर्थन प्रदान किया। संयुक्त आयोजन सचिव डॉ.सुरेंद्र के गॉड और डॉ. अपर्णा सिंह ने व्यवस्थाओं के सूचारु संचालन को सुनिश्चित किया जबकि कोषाध्यक्ष डॉ के के चौधरी और डॉ विनोद के कनौजिया ने वित्तीय प्रबंध का कुशलतापूर्वक संचालन किया। पूरी आयोजन समिति ने सभी गणमाना व्यक्तियों, संका ग सभी सदस्यों, विद्वानों ओर प्रतिभा गिर्या को उनकी उत्सा ही उपस्थि हि और सहयोग के लिए धन्यबाद ज्ञापित किया। गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मेलन की थीम पर प्रोफेसर नीलम अत्री द्वारा बनाई गई पेंटिंग पर हस्ताक्षर किए।

एसकेडी अस्पताल में मौत कर्मचारी सरकारी में लाश छोड़कर भागे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कृष्णा नगर स्थित निजी अस्पताल में सोमवार सुबह मरीज की मौत के बाद कर्मचारी शव को एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल के इमरजेंसी में छोड़कर भाग गए। लाश कई घंटे घंटे तक लावारिस पड़ी रही। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया सरोजिनी नगर के रहने वाली कर्मवीर सिंह 37 सोमवार सुबह काम पर जाने के लिए घर से निकले मगर रास्ते में उनकी तबीयत खराब हो गई इस पर वह खुद ही इलाज के लिए सुबह करीब 8:00 बजे एसकेडी अस्पताल पहुंच गए थे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई लेकिन निजी अस्पताल ने परिजनों को इसकी जानकारी देने के बजाय मौत को छुपाने की कोशिश की और शव को एंबुलेंस से लोकबंधु अस्पताल भेज दिया। लोकबंधु अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टर और स्टाफ ने जब लंबे समय तक स्टेचर पर शव पड़ा देखा तो अस्पताल प्रशासन को सूचना दी इसके बाद सीसीटीवी फुटेज क खंगाले गए जिससे निजी अस्पताल के दो कर्मचारी यूनिफॉर्म में स्टेचर पर शव को लाते और इमरजेंसी के बाहर छोड़कर भारतीय भागते हुए देखें। शव लगभग चार से पांच घंटे तक वही लावारिस पड़ा रहा इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने शव की पड़ताल की मृतक की जेब से मोबाइल फोन और आधार कार्ड मिला जिससे उसकी पहचान कर्मवीर नाम व्यक्ति की हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी कर्मवीर के परिवार में पत्नी अंजू बेटा युवराज और बेटी प्रज्ञा है परिजनों ने निजी अस्पताल पर गंभीर लापरवाही और शव छुपा कर भेजने का आरोप लगाया है। इस संबंध में निजी अस्पताल संचालक डॉक्टर आशीष सिंह से फोन और मैसेज के जरिए कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन कोई जवाब नहीं मिला

अस्पताल ने एंबुलेंस का नंबर भी ट्रेस किया लोग बंधु अस्पताल प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज से उसे एंबुलेंस का नंबर भी ट्रेस किया है जिससे सब लाया गया था नंबर पुलिस को सौंप दिया गया है

सीसीटीवी फुटेज में लोग बंधु अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर शव छोड़कर जाते दिखे निजी अस्पताल के कर्मचारी

निजी अस्पताल के कर्मचारी लावारिस हालत में सब इमरजेंसी में छोड़कर गए थे फुटेज सुरक्षित है और पुलिस को दे दी गई है डॉक्टर संगीता गुप्ता निर्देशक लोकबंधु अस्पताल

करीब दो बजे लोग बंधु अस्पताल में लावारिस सब पड़ा होने की सूचना मिली थी मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजन शिकायत देंगे तो निजी अस्पताल पर कार्रवाई की जाएगी। पीके सिंह इंस्पेक्टर कृष्णा नगर

जांच के दौरान आरोपी सही मिले तो संबंधित अस्पताल की खिलाफ कार्रवाई होगी डॉक्टर एनबी सिंह सीएमओ

भारतीय उच्चायोग और विदेश मंत्रालय की कोशिशों से बांग्लादेश से 47 मछुआरे रिहा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने हाल ही में गलती से इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन पार करने वाले 47 भारतीय मछुआरों को अब रिहा कर दिया है। बांग्लादेशी नेवी द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी के बाद भारत के विदेश मंत्रालय और बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग की ओर से इस मामले पर त्वरित संज्ञान लिया गया था। मंत्रालय एवं उच्चायोग के अधिकारियों ने संबंधित बांग्लादेशी अधिकारियों के समक्ष गंभीरता से इस मुद्दे को उठाया, जिसके बाद गिरफ्तार मछुआरों की घर वापसी सुनिश्चित हो पाई। इसके साथ ही भारत ने भी बिना देर किए गलती से समुद्री सीमा पार करने वाले

38 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा कर दिया है। इससे पहले जनवरी 2025 में भारत सरकार ने 95 भारतीय मछुआरों को रिहा कराने में मदद की थी और बदले में 90 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा किया था। विदेश मंत्रालय ने कहा हाल ही में बांग्लादेश के अधिकारियों ने गलती से इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन पार करने वाले भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। इसी तरह भारतीय अधिकारियों ने भी बांग्लादेश के मछुआरों को पकड़ा था। दोनों सरकारों ने आज (9 दिसंबर, 2025) 47 भारतीय मछुआरों और 38 बांग्लादेशी मछुआरों को उनके चलने लायक जहाज के साथ सफलतापूर्वक रिहा कर दिया और वापस भेज दिया। मंत्रालय ने कहा मछुआरों और उनके जहाज का आपसी लेन-देन दोनों तरफ के मछली पकड़ने वाले समुदायों की मानवीय और रोजी-रोटी की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

भारत सरकार भारतीय मछुआरों की सुरक्षा, सिक्योरिटी और भलाई को सबसे ज्यादा महत्व देती है। इस मकसद से, वह बांग्लादेश की हिरासत से हमारे मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार मेहनत कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बांग्लादेशी नेवी ने अगस्त 2025 के पहले सप्ताह के दौरान दो चरणों में इन 47 मछुआरों को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही इनके मछली पकड़ने वाले कई ट्रॉलर भी जब्त किए गए थे। ये सभी मछुआरे पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सुंदरबन के काकदीप इलाके के रहने वाले हैं, जो कि अब अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

पत्थरों से बनी बैरिकेटिंग में टकराया बाइक सवार, मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर ।बंथरा थाना क्षेत्र में बीती रात एक तेज रफ्तार बाइक सवार पत्थरों से बनी बैरिकेटिंग में टकराकर बुरी तरह घायल हो गया। आनन-फानन उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस के मुताबिक मध्य प्रदेश के नीमच स्थित वार्ड नंबर 8 अम्लीय भट्ट का रहने वाला विजय बंजारा (26) गोरखपुर में किराए के मकान में रहकर चारपाई बेचने का काम करता था। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी अनीता के अलावा एक बेटी और एक बेटा है। विजय के एक माह के बेटे की तबीयत खराब होने के कारण वह गोरखपुर से अपनी बाइक से सोमवार रात नीमच जा रहा था। वह बंथरा में बनी के पास तेज रफ्तार में बाइक लेकर एलिवेटेड रोड पर जाने के लिए रैंप पर चढ़ने लगा।

अनाया रिजवान मौत मामला- वाराणसी कोर्ट के एफ आई आर आदेश से हड़कंप।

डॉ प्रत्यूष रंजन के सोशल मीडिया पोस्ट पर आफरीन का परिवाद और सरकारी योजनाओं के साथ अपने हॉस्पिटल के प्रचार पर लीगल नोटिस भी।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। ए.एस.जी. आईं हॉस्पिटल वाराणसी में 7 वर्षीय बच्ची अनाया रिजवान की रेटिना सर्जरी के दौरान हुई मौत के मामले में माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, वाराणसी द्वारा स्त्रद्धक्र दर्ज करने के आदेश के बाद प्रकरण ने गंभीर कानूनी मोड़ ले लिया है। अदालत ने धारा 173(4) बी.एन.एस.एस. के तहत थाना भेलूपुर को प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष विवेचना शुरू करने का स्पष्ट निर्देश दिया है।न्यायालय के अनुसार, 14 अक्टूबर 2025 को बच्ची को पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में ए एस जी आईं हॉस्पिटलद्य में भर्ती कराया गया था। सर्जरी के दौरान एनेस्थीसिया दिए जाने के बाद उसकी स्थिति अचानक गंभीर हो गई। बिना स्पष्ट कारण बताए बच्ची को मैट केयर हॉस्पिटल महमूरगंज स्थानांतरित किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अदालत ने एनेस्थीसिया की खुराक, ऑक्सीजन सप्लाई, पोस्टऑपरेटिव देखरेख और समय पर रेसुसिटेशन न दिए जाने को गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही माना है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि ऑपरेशन से संबंधित एनेस्थीसिया चार्ट, आई सी यू रिकॉर्ड, ऑपरेशन नोट्स और सी सी टी वी फुटेज जानबूझकर उपलब्ध नहीं कराए गए। डॉक्टरों के बयानों में भी गंभीर विरोधाभास पाए गए। इन्हीं तथ्यों के आधार पर अदालत ने संबंधित धाराओं में एफ आई आर दर्ज कर विधिवत विवेचना कराना आवश्यक बताया। आदेश के बाद थाना भेलूपुर में एफ आई आर दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।विवेचना में अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी को स्वतंत्र सहयोगी के रूप में शामिल करने की मांग पीड़ित परिवार ने अपने प्रार्थना-पत्र में यह भी मांग की थी कि विवेचना की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उनके अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी को स्वतंत्र सहयोगी के रूप में जांच में शामिल किया जाए, ताकि साक्ष्यों की सुरक्षा बनी रहे और किसी प्रकार का पक्षपात न हो। डॉ. प्रत्युष रंजन के सोशल मीडिया पोस्ट पर आफरीन ने ही दाखिल किया अलग परिवाद इस मामले में अब एक और अहम कानूनी पहलू भी जुड़ गया है। डॉ. प्रत्युष रंजन द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट को लेकर स्वयं अनाया रिजवान की मां आफरीन रिजवान ने ही माननीय न्यायालय में अलग परिवाद पत्र दाखिल किया है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर ने अपने सोशल मीडिया बयानों में उन सभी सामाजिक वर्गों पत्रकारों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों पर गंभीर आरोप लगाए, जो अनाया को न्याय दिलाने की लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। आफरीन का कहना है कि इन पोस्टों के माध्यम से न्याय की लड़ाई लड़ रहे लोगों की छवि धूमिल करने और दबाव बनाने की कोशिश की गई, जिसे लेकर उन्होंने न्यायालय में विधिक कार्रवाई की मांग की है। सरकारी योजनाओं के प्रचार पर लीगल नोटिस, अब तक नहीं मिला जवाब प्रकरण से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी सामने आया है कि डॉ. प्रत्युष रंजन द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं का प्रचार अपने निजी अस्पताल और व्यावसायिक गतिविधियों में योजना मॉडल की तरह किया जा रहा था। इसे लेकर उन्हें लीगल नोटिस भी भेजी गई, जिसमें सरकारी योजनाओं के नाम के कथित दुरुपयोग और व्यावसायिक लाभ से जोड़ने पर आपत्ति दर्ज कराई गई थी। हालांकि, अब तक इस नोटिस पर डॉक्टर की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं दिया गया है, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया है। न्याय की उम्मीद और अधिवक्ताओं के सहयोग को मिली बड़ी जीत पीड़ित परिवार ने वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी जो कि देश के प्रधानमंत्री हैं तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज पर पूरा विश्वास व्यक्त किया और कहां मुझे पूरा विश्वास है कि वाराणसी पुलिस इस मामले में निष्पक्ष विवेचना कर कठोर कार्रवाई करेगी जो समाज में एक नजीर बने, और डॉक्टर लापरवाही करने से पहले 100 बार सोचें किस समाज में न्याय की लड़ाई लड़ने वाला एक बड़ा वर्ग अन्याय के खिलाफ अत्याचार और दमन के खिलाफ खड़ा होगा। परिवार ने कहा कि यह कानूनी लड़ाई अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी, अधिवक्ता राजेश त्रिवेदी, अधिवक्ता आशुतोष शुक्ला, अधिवक्ता राजकुमार तिवारी, अधिवक्ता आशुतोष सक्सेना अधिवक्ता दीपक वर्मा तथा उनकी टीम के अधिवक्ता साथियों के सहयोग से आज एक बड़ी जीत तक पहुंची है।अनाया की मां आफरीन बानो ने यह भी कहा कि आगे भी अधिवक्ताओं, पत्रकार बंधुओ समाज के प्रतिनिधि गण नेताओं व पुलिसकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा और यह संघर्ष न्याय की अंतिम मंजिल पहुंचने तक जारी रहेगा।

नजीबाबाद में हुआ पहली बार बच्चियों का जिला स्तरीय मुसाबका

तीसरा विकल्प न्यूज़ शेर खान ब्यूरो बिजनौर

नजीबाबाद। राहुखेड़ी कोरा मोहल्ला आजाद नगर में स्थित मक़तब मदीना मस्जिद मोहल्ला आज़ाद नगर के कारी सनव्वर राजपूत ने जिला स्तरीय मुसाबका प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में बिजनौर जिले के अलग-अलग जगह से आई हुई 60 छोटी बच्चियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में दूर दराज़ से आई छोटी-छोटी बच्चियों ने खूबसूरतीं के साथ कुरान की आयतों को पढ़ा, बच्चियों ने कुरान की आयतों को इस अंदाज से पढ़ा कि वहां बैठे हर इंसान ने बच्चियों की तारीफें की और हौसला अफ़ज़ाई कि प्रथम चरण में दस बच्ची टॉप टेन मे शामिल हुई। जिले से आई बच्चियों के साथ उनके माँ बाप रिश्तेदार और दूर दराज़ से इस मुसाबके को देखने और सुनने आए। प्रोग्राम में भारी संख्या में महिलाएं भी पहुंची। महिलाओं के लिए एक तरफ अलग पर्दे में बैठने का इंतज़ाम किया गया और मुसाबके को देखने के लिए महिलाओं के बीच बड़ी स्क्रीन लगाई गई। वहीं बड़ी तादात में जिले से आए उलेमा नगरवासी व कई जनप्रतिनिधि भी प्रोग्राम में पहुंचे। विजेता और उप विजेता टीमों को नकद पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम की शुरुआत कारी अकरम ने कुरान की तिलावत से की। सदारत मौलाना असलम की रही, जबकि सरपरस्ती मौलाना इसरार ने की। प्रोग्राम के कन्वीनर कारी सनव्वर रहे, जिन्होंने पूरे प्रोग्राम को अपनी जिम्मेदारियों से संभाला और साथ दिया। मोहल्ला आज़ाद नगर के वासियों ने व मकतब मदीना मस्जिद की कमेटी, जिसमें मकबूल रिजवी, आदिल राजपूत, गुलफाम, आकिफ हुसैन अक्की, इरशाद, दिलशाद, शाहिद मुल्तानी, तलमीश बेग, दिलशाद, वसीम, फ़िरोज़ खान, फरमान ने प्रोग्राम कराने में अहम भूमिका निभाई व सहयोग किया। मक़तब मदीना मस्जिद के कुरानिक विभाग के शिक्षक कारी सनव्वर ने छात्राओं को कुरान पठन के महत्व के बारे में बताया, उन्होंने कहा कि कुरान को अच्छी आवाज, सही उच्चारण और तजवीद के नियमों का पालन करते हुए पढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान पर आई बच्चियों को टॉप 10 बच्चियों की कुरान की आयत सुनने के बाद बाहर से आए हाकमों ने जांच कर सही फैसला कर प्रथम रही अफशा निवासी ग्राम अलीपुरा, द्वितीय रही गुलशन मोहल्ला आज़ाद नगर नजीबाबाद और तृतीय रही निसफा क़स्बा जलालाबाद की बच्चियों का चयन किया। बच्चियों के चयन के बाद बच्चियों के मां-बाप का खुशी का ठिकाना ना रहा कारी आबिद, कारी आकिल, कारी अब्दुल बासित, कारी दानिश, कारी यूसुफ, कारी साबिर सहित कई गणमान्य व्यक्ति व उलेमा अन्य विद्वान भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत चौक पुलिस ने नींबू पार्क में महिलाओं व बच्चों को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सुरक्षा का अधिकार, सशक्तिकरण की उड़ान मिशन शक्ति है महिलाओं की पहचान इसी संदेश के साथ चौक थाना पुलिस ने सोमवार को नींबू पार्क में महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा, शिक्षा और साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया। यह जागरूकता अभियान पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेंद्र कुमार सेंगर के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा लगातार व्यापक गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में जनपद के 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहाँ महिला संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु समर्पित अधिकारी तैनात हैं।संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार, पुलिस उपायुक्त विश्वजीत श्रीवास्तव,अपर पुलिस उपायुक्त धनंजय सिंह कुशवाहा,सहायक पुलिस आयुक्त राजकुमार सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक चौक नागेश उपाध्याय के निर्देशन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।अतृष्णा यादव (थाना चौक) के नेतृत्व में नींबू पार्क के अंदर महिलाओं व बच्चों को महिला सुरक्षा के कानूनी अधिकार,आत्मरक्षा के महत्व, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी,साइबर अपराध से बचाव के उपाय के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया।थाना चौक पुलिस की यह पहल मिशन शक्ति अभियान को ज़मीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे महिलाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास का संचार हो रहा है।

दरंग जिले में 11,753 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अनुमोदन पत्र का औपचारिक वितरण।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। दरंग जिला प्रशासन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत 11,753 योग्य लाभार्थियों को अनुमोदन पत्र वितरित किए। दरंग जिले की तीन विधानसभा चुनाव क्षेत्र - मंगलदई, शिपाझार और दलगांव में एक साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मँगलदई विधानसभा क्षेत्र के लिए मंगलदई सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंगलदई विधानसभा क्षेत्र के विधायक बसंन्त दास और असम राज्य मछली विकास निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गुरुज्योति दास ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान मंगलदई क्षेत्र के कुल 1,487 लाभार्थियों को उनके आवास आवंटन के अनुमोदन पत्र प्रदान किए गए। अपने भाषणों में दोनों विधायकों ने डॉ. हिमन्त विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा आम जनता के कल्याण के लिए उठाए गए सशक्त कदमों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में दरंग जिला आयुक्त पराग कुमार काकती, दरंग जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करवी सैकिया करण, दरंग जिला परिषद की अध्यक्ष शेवाली गोस्वामी कलिता, मंगलदई नगरपालिका की मेयर निर्माली देवी शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और लाभार्थी उपस्थित थे। इसी प्रकार, शिपाझार क्षेत्र के लिए शिपाझार क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिपाझार विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. परमानंद राजवंशी ने हिस्सा लिया। शिपाझार क्षेत्र के 2,592 लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत अपने आवास आवंटन अनुमोदन पत्र प्राप्त किए। इसके अलावा, दलगांव क्षेत्र के लिए दलगांव टाउन फ़ील्ड में आयोजित आवास आवंटन अनुमोदन पत्र वितरण कार्यक्रम में विधायक मजीबुर रहमान और खरूपेटिया नगरपालिका के मेयर कृष्णा सहाई मुख्य अतिथि थे। दलगांव क्षेत्र के कुल 7,674 लाभार्थियों को अनुमोदन पत्र वितरित किए गए। बता दें कि मंगलवार को बको में आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम का प्रत्यक्ष प्रसारण दरंग जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ शेर खान ब्यूरो बिजनौर

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी द्वारा बैठक से पूर्व चीन में आयोजित एशियन मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में सिल्वर मेडल विजेता पूर्व सैनिक तरुण कुमार तथा कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य व जय जवान जय किसान को सार्थक करने पर किसान कार्यशाला के गांव चौकपुरी में पूर्व सैनिक राहुल जवान को सम्मान सहित शुभकामनाएं प्रदान कराते हुए उन्हें शील्ड प्रदान की गईं। जिलाधिकारी कौर ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि विगत बैठक की जो प्रकरण विभागीय अधिकारियों के एसआईआर कार्य में व्यस्त होने के कारण निस्तारण नहीं हो सके हैं, उनको संबंधित विभागीय अधिकारियों को पुनः प्रेषित करना सुनिश्चित करें, ताकि उनका निराकरण किया जा सके। उन्होंने विधवा सैनिक महिला द्वारा गांव भवानीपुर में शहीद स्मारक एवं द्वार बनाने के कार्य में रेलवे द्वारा आपत्ति व्यक्त करने की शिकायत के सापेक्ष उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक कर उक्त समस्या का समाधान कराना सुनिश्चित कराएं। कुछ सैनिकों द्वारा खेत में जंगली जानवरों के जरिए नुकसान, वर्षा ऋतु के दौरान बरसाती नाले से खेतों का कटान तथा उनके दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त न होने की शिकायत पर उन्होंने जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शिकायतों का निराकरण कराएं। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और उनकी सभी शिकायतों का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक बंधु बैठक के रूप में जो प्लेटफार्म दिया है, जिला प्रशासन इसका भरपूर लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी पूर्व सैनिक शिकायतकर्ताओं की शिकायत को बहुत ही ध्यान पूर्वक सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए कहा गया। बैठक में पूर्व सैनिकों द्वारा सड़क, भूमि विवाद, शस्त्र लाइसेंस, अवैध अतिक्रमण आदि के संबंध में शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गईं। जिस पर उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन आपकी शिकायतों के समाधान के लिये गंभीर है और सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ ससमय निस्तारण कराया जाएगा। बैठक के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं पूर्व सैनिक बन्धु मौजूद थे।

बीकेटी मे उप-निबंधक कार्यालय में मोटी रकम लेकर फार्जी रजिस्ट्री कर दी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का तालाब तहसील क्षेत्र में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला की करोड़ों की जमीन की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि उप-निबंधक कार्यालय बीकेटी में तैनात बाबू अनूप वर्मा ने कथित रूप से प्रॉपर्टी डीलरों के साथ मिलकर 1977 वर्गफीट की जगह 10,867 वर्गफीट भूमि का बैनामा गलत तरीके से निष्पादित कर दिया। पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि उप-निबंधक कार्यालय में फर्जी रजिस्ट्री और सेटिंग वाले मामलों में जब भी कोई विवाद होता है, तो उसी समय सीसीटीवी कैमरे बंद मिलते हैं, जिससे शिकायतकर्ता के पास सबूत भी नहीं बच पाता। पीड़ित बुजुर्ग महिला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रमुख सचिव को शिकायत भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। घटना 31 जुलाई की बताई जा रही है, जब बुजुर्ग महिला और उनका बेटा प्लॉट की रजिस्ट्री कराने उप-निबंधक कार्यालय पहुंचे थे। वहां पहले से तैयार किए गए कागज़ों पर हस्ताक्षर कराने के बाद जब उन्हें बताया गया कि कुल बिक्री मूल्य 10 लाख रुपये देना होगा, तो महिला ने आपत्ति जताई। प्रॉपर्टी डीलर अनुराग दीक्षित और धीरेंद्र त्रिपाठी ने इसे टाइपिंग की गलती बताकर उस दिन रजिस्ट्री टाल दी। इसके बाद 29 अक्टूबर को दोबारा बुलाया गया, जहाँ महिला और उसके पुत्र का बायोमेट्रिक लिया गया, लेकिन प्लॉट खरीदने वाले धीरेंद्र त्रिपाठी ने बायोमेट्रिक नहीं कराया। उसी दौरान कार्यालय के बाबू अनूप वर्मा ने महिला का वीडियो बयान लेकर कह दिया कि रजिस्ट्री हो गई है, आप जा सकती हैं। महिला को उसी समय शक हुआ। बाद में 13 नवंबर को परिवार को पता चला कि उनके 1977 वर्गफीट वाले प्लॉट की रजिस्ट्री 29 अक्टूबर को नहीं, बल्कि 7 नवंबर को दर्ज दिखा दी गई है। और वह भी दूसरे गाटा–282 नंबर—की 10,867 वर्गफीट भूमि के रूप में। पीड़ित दावा कर रहे हैं कि 7 नवंबर को वे उप-निबंधक कार्यालय गए ही नहीं थे और किसी ने उन्हें रजिस्ट्री की जानकारी भी नहीं दी तहसील क्षेत्र में चर्चा है कि बाबू अनूप वर्मा कई वर्षों से प्राइवेट प्रॉपर्टी डीलरों के साथ मिलकर फर्जी रजिस्ट्री, प्रतिबंधित भूमि, कोर्ट-स्टे वाली जमीन और विवादित संपत्तियों का बैनामा करवाने में भूमिका निभाते रहे हैं। आरोप तो यह भी है कि सेटिंग के समय सीसीटीवी कैमरे बंद हो जाते हैं मोटी रकम लेकर किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री कर दी जाती है कई बुजुर्ग, गरीब और अनपढ़ किसानों को ठगी का शिकार बनाया गया और बड़े रसूख के कारण अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। पीड़ित बुजुर्ग महिला अब न्याय के लिए दर-दर भटक रही है और उसने मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव और पुलिस अधिकारियों को शिकायत पत्र भेजा है।

बीआईटी में फेयरवेल में विद्यार्थियों सफल ज्ञान, समर्पण एवं मेहनत का सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। सिंदरी बीआईटी के विभागाध्यक्ष (HOD) ने फेयरवेल अध्यक्षता की। उन्होंने एम.टेक. के विद्यार्थियों को जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह फेयरवेल विद्यार्थियों के ज्ञान, समर्पण एवं मेहनत का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी अपने तकनीकी कौशल और नैतिक मूल्यों के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण । उन्होंने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो समाज की आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी सीख को व्यावहारिक जीवन में उत्कृष्टता और ईमानदारी के साथ लागू करें कार्यक्रम में सम्मिलित प्रोफेसर के नामने प्रो. प्रफुल कुमार शर्मा, (HOD) डॉ. कोमल कुमार, (PG coordinator) डॉ. उदय कुमार सिंह, डा. जीतू कुमार, डॉ.मायारन्जन राय, डॉ. ब्रहमदेव यादव, डॉ. निशिकांत किस्कू, डॉ. अभिजीत आनंद, इकबाल शेख, सरोज मीना, प्रशांत रंजन मालवीया, के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर सीखने की इछा जीवन में सफलता के मूल मंत्र हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहें और अपने संस्थान एवं विभाग का नाम रोशन करें। फेयरवेल समारोह में छात्रों ने अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और विभाग में बिताए गए यादगार पलों को साझा किया। कार्यक्रम का समापन खुशियों, शुभकामनाओं और उज्वल भविष्य के विश्वास के साथ हुआ। फेयरवेल समारोह में छात्रों ने अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और विभाग में बिताए गए यादगार पलों को साझा किया। कार्यक्रम का समापन खुशियों, शुभकामनाओं और उज्ज्वल भविष्य के विश्वास के साथ हुआ।

के.ओ.एस.ओ.एफ. ट्रस्ट के अध्यक्ष गुजरात निवासी राम जी भाई ने झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामा शीश चौहान के साथ साथ पूरे टीम को किया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद । स्थानीय होटल मे केओएसओएफ ट्रस्ट के अध्यक्ष गुजरात निवासी राम जी भाई द्वारा झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामा शीश चौहान जी के साथ साथ पूरे टीम को सम्मानित किया गया द्य यह प्रोग्राम हमारे सोसाइटी द्वारा वर्षो से चलाये जा रहे वंचित समाज के उत्थान के लिए, राय,देश की विकास के लिए प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से जो भी योजनाएं चला रही है या चलाये जा रही है और आगे जो योजनाएं चलाएंगे सभी योजनाओं के ध्यान मे रख कर किया गया है द्य श्री राम जी के लोगों को संबोधित करते हुए आह्वान किए है झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी की उजवल भविष्य की कामना करते हुए हमारी ट्रस्ट की ओर से तन, मन और धन देकर वंचित समाज की उत्थान के लिए राय और देश की विकास के लिए कदम से कदम मिलाकर चलूंगा द्य मैं आज वापस गुजरात जा रहा हूँ, कभी भी हमारी आवश्यक हो तो मुझसे याद जरूर करेंगे, जब आप मुझे याद करेंगे तो मैं अपने आपको सौभाग्यशाली समझूँगा द्य

शहीद केशरी सिंह के 54वें शहादत दिवस पर थानाध्यक्ष सहित क्षेत्रीय लोगों ने दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

ड्रमंडगंज। क्षेत्र के पटेहरा गांव में शहीद केशरी सिंह के 54 वें शहादत दिवस पर मंगलवार को थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज ब्रह्मदीन पांडेय शहीद केशरी सिंह की पत्नी छोटी कुंवर सिंह पूर्व सैनिक परशुराम सिंह सहित क्षेत्रीय लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय व पुलिसकर्मियों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सलामी दी। थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय ने कहा कि वीर केशरी सिंह ने देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर मीरजापुर जिले का नाम रोशन किया था। पूर्व सैनिक परशुराम सिंह ने कहा कि देश के लिए प्राणों की कुर्बानी देने वाले वीर केशरी सिंह का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य कर रहा है। इस दौरान शहीद केशरी सिंह हाईस्कूल में बच्चों ने देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम से लोगों का मन मोह लिया।इस दौरान शहीद केशरी सिंह की पुत्रवधू योग्यता सिंह,अमन सिंह, धीरज मिश्रा,हरिश्चंद्र सोनी,अरूण सिंह,राम मूर्ति पांडेय, अरूण मिश्र, राकेश तिवारी,अधिवक्ता जेपी तिवारी, इंद्रजीत सिंह, लवकुश सिंह आदि मौजूद रहे।

तिमरपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ शेर खान ब्यूरो बिजनौर

बिजनौर। भाजपा के यशस्वी जिला अध्यक्ष प्रिय बड़े भाई भूपेंद्र चौहान बॉबी व नजीबाबाद के कर्मठ ब्लॉक प्रमुख चौ. तपराज सिंह देशवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में रक्तदान शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय मंत्री भाजपा अनूप बाल्मीकि व जिला महामंत्री विनय राणा रहे। श्रीश्याम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन चौ. ब्रह्मपाल सिंह, मैनेजिंग डायरेक्ट डॉ. कामेंद्र सिंह, मैनेजर विक्रान्त चौधरी व मुकेश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। रक्तदान शिविर में दूर दराज से आए रक्तदाताओं ने लगभग 70 यूनिट ब्लड डोनेट किया, जिसमें लगभग 15 महिलाओं ने रक्तदान किया। मुख्य रूप से एडवोकेट बृजराज सिंह देशवाल, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष के के रवि गोपाल धीमान, हिंदू जागरण मंत्र के प्रदेश महामंत्री आदेश चौधरी, पब्लिक इमोशन के संपादक डॉक्टर पंकज भारद्वाज विजयपाल सिंह चौ. गजे सिंह, चौ. योगेंद्र कुमार, डायरेक्टर सुधीर कुमार, डॉ. शिवम कुमार, डॉ. दिग्विजयसिंह, डॉ. अर्पिता सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता जितेंद्र राजपूत, सूर्य प्रताप सिंह, धीरज कुमार, चेयरमैन नीटू चौधरी, वंशदेव, हिमांशु कुमार, आकाश कुमार, उदय सैनी, नेहा, तनु, टीना आदि रक्तदाता उपस्थित रहे। सभी का विशेष योगदान रहा।

कैसरबाग में जाम से राहत, टीएसआई राजेश सिंह का विशेष अभियान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

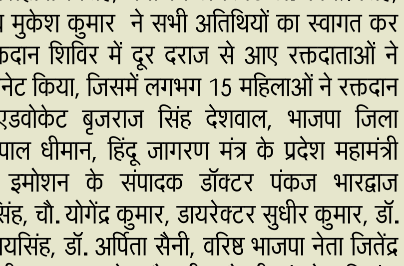

लखनऊ। कैसरबाग के आनंद चौराहे पर बढ़ते ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए टीएसआई राजेश सिंह ने सोमवार को सख़्त अभियान चलाया। उन्होंने मोर्चा संभालते हुए लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर ई-रिक्शा, फोर व्हीलर और टू व्हीलर चालकों को सड़क पर अनियमित रूप से वाहन खड़ा न करने की स्पष्ट चेतावनी दी।अभियान के दौरान सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों पर कार्रवाई करते हुए कुल 8 चालान काटे गए। इस कार्रवाई का तत्काल असर ट्रैफिक पर देखने को मिला और जाम की समस्या में राहत महसूस की गई।टीएसआई राजेश सिंह ने लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क परिवहन में लापरवाही न करें और सभी नियमों का पालन करें, ताकि शहर में बढ़ती जाम की समस्या से छुटकारा मिल सके।स्थानीय निवासियों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे समयबद्ध प्रयास ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नव प्रवेशित एम.बी.बी.एस. के छात्र-छात्राओं के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशानुसार 'चरक शपथ समारोह' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, मिर्जापुर में नव प्रवेशित एम.बी.बी.एस. सत्र-2025-26 के छात्र-छात्राओं के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशानुसार 'चरक शपथ समारोह' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को चरक शपथ समारोह में लिए गये शपथ के सम्बन्ध में चिकित्सक के नैतिक कर्तव्यों के बारे में विस्तार पूर्वक अपना सुझाव दिया गया। डाक्टर धरती पर भगवान का दूसरा रूप होता है के सन्दर्भ में जिलाधिकारी द्वारा छात्रों को भविष्य में डाक्टर की भूमिका में मरीजों के प्रति सहानुभूति, उदारता एवं आपसी समन्वय से उपचार की सलाह दी। इस दौरान मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, मीरजापुर के प्रधानाचार्य प्रो. डा. संजीव कुमार सिंह के द्वारा जिलाधिकारी का चरक शपथ समारोह में उपस्थित होने के लिए स्वागत किया गया, तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व नृत्य का प्रर्दशन किया गया एवं प्रधानाचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं को रियल लाईफ व रील लाईफ के गुण-दोष के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया तथा उपस्थित नव प्रवेशित एम.बी.बी.एस. सत्र 2025-26 के छात्र-छात्राओं को चरक शपथ दिलाया गया। इस दौरान इस चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यरत प्रो. डा. विपिन कुमार, डा. सचिन किशोर, डा. क्षितिजराज, डा. पंकज पाण्डेय, डा. राकेश कुमार सिंह, डा. जयपाल सिंह, डा. दुर्गेश सिंह, डा. सोनाली चतुर्वेदी, डा. शशिप्रभा सिंह, डा. क्शैशन अख्तर, डा. वन्दना द्विवेदी, डा. आरती राय, डा. आकांक्षा दुबे, डा. ईश्वर प्रसाद इत्यादि चिकित्सा शिक्षक एवं डाक्टर उपस्थित रहे।

आई.जी.आर.एस. प्रार्थना पत्रों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने पर

❑ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी निरीक्षक आई.जी.आर.एस. सहित सह-कर्मियों को किया गया पुरस्कृत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा शिकायती/आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध रूप से निस्तारण हेतु दिये गये निर्देश व अपर पुलिस अधीक्षक नगर के प्रभावी पर्यवेक्षण के परिणाम स्वरूप तथा आईजीआरएस शाखा में नियुक्त कर्मियों के त्वरित कार्यवाही कराने के परिणाम स्वरूप आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में जनपद मिर्जापुर विगत 04 माह से प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है । इस सराहनीय कार्य के लिए सोमेन बर्मा卐वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर द्वारा आई.जी.आर.एस. शाखा में नियुक्त प्रभारी निरीक्षक आई.जी.आर.एस. सेल चन्द्रप्रकाश पाण्डेय, क.आपरेटर लक्ष्मीशंकर यादव व आरक्षी दुर्गेश प्रजापति,अनुज विश्वकर्मा, सौरभ कुमार, म. आरक्षी रश्मि सिंह व आरक्षी चन्द्रप्रकाश महतो को उत्साह वर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर किया गया

मनोविज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा विषयों पर रिफ्रेशर कोर्स का हुआ शुभारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजीसी-मदन मोहन मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) द्वारा मंगलवार से ऑनलाइन माध्यम से दो सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स का शुभारम्भ किया गया। मनोविज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा विषयों पर आधारित यह कोर्स 22 दिसम्बर तक चलेगा। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों जैसे कश्मीर, तमिलनाडु, असम, गुजरात और बिहार से 90 से अधिक महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। मंगलवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति प्रो. सीबी शर्मा मुख्य अतिथि रहे। जिनका स्वागत शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार, एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. कमल कुमार तथा कोर्स समन्वयक प्रो. मुनेश कुमार ने किया। प्रो. मुनेश कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए जानकारी दी कि प्रतिभागी शिक्षक न केवल विषयगत अद्यतन ज्ञान प्राप्त करेंगे, बल्कि डिजिटल युग के अनुरूप ई-कन्टेंट निर्माण, अनुसंधान-उन्मुख अध्यापन, शारीरिक शिक्षा एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य को भी अपने उच्च शिक्षा कक्षाओं में समाहित कर सकेंगे। आयोजकों का विश्वास है कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप भारतीय उच्च शिक्षा तंत्र में गुणात्मक सुधार की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध होगा। प्रो. कमल कुमार ने विश्वविद्यालय की नैक ए++ प्रत्यायन एवं शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभागों की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स के अंत में प्रतिभागियों के लिए 60 अंकों की वस्तुनिष्ठ परीक्षा, 20 अंकों की शिक्षण-कौशल प्रस्तुति तथा 20 अंकों की सहभागिता निर्धारित है, और 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वालों को ए+ प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

रात को लगी भीषण आग में गृहस्थी का सामान खाक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। रुदौली विधान सभा के ग्राम पंचायत गनौली के मजरे राम जानकी का पुरवा में बीती रात एक दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव के निवासी राम अवध पासी के घर में तड़के लगभग सुबह 4 बजे अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने इतना तेज़ रूप ले लिया कि पूरी झोपड़ी जलकर राख हो गई। सारा सामान देखते ही देखते खाक और आग की लपटों ने झोपड़ी में रखे घरेलू सामान,कपड़े,अनाज,बिस्तर मेहनत की कमाई से जुटाए गए उपकरण तथा परिवार के जरूरी दस्तावेज सबकुछ चंद मिनटों में राख में बदल दिया। आग की सूचना पाकर आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और स्थानीय स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, मगर आग की भीषणता के सामने सभी प्रयास नाकाम साबित हुए। परिवार बेघर,रातों-रात उजड़ गया घर राम अवध पासी का परिवार इस हादसे के बाद पूरी तरह बेघर हो चुका है।

सरकारी नौकरी की तैयारी के उद्देश्य हेतु लक्ष्यसेतु क्लासेज का शुभारंभ

❑संस्थान का मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को सफलता दिलाना है।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

चुनार/मिर्ज़ापुर। सरकारी नौकरी की तैयारी के उद्देश्य से नगर के चौक बाजार में रविवार को लक्ष्यसेतु क्लासेज का शुभारंभ नगर के सरस्वती चिराग कोचिंग सेंटर के प्रबंधक बृजेश यादव की उपस्थिति में लक्ष्य सेतु क्लासेज के संचालक यशराज गुप्ता एवं कृष्ण यादव द्वारा किया गया। इस संस्थान के खुलने से सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले चुनार और आस-पास के छात्रों को बड़े शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहीं होगी। लक्ष्यसेतु का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एस.एस.सी., रेलवे, यू.पी. पुलिस सहित अन्य राय-स्तरीय परीक्षाओं में सफलता दिलाना है।संस्थान का उद्देश्य छात्रों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए एक सेतु (पुल) का कार्य करना। संस्थान के संचालक,यश राज गुप्ता व कृष्णा यादव ने बताया कि संस्थान की प्रमुख विशेषताओं में डिजिटल कक्षाएं, दैनिक अभ्यास प्रश्नपत्र (डेली प्रेक्टिस पेपर), चैप्टर-वाइज़, मॉक टेस्ट एवं बेसिक से एडवांस तक के कॉन्सेप्ट्स शामिल हैं। कक्षाएं द्विभाषी यानि हिन्दी और इंग्लिश माध्यम में संचालित की जाएंगी।संस्थान वर्तमान समय में गणित,रीज़निंग,अंग्रेज़ी,सामान्य विज्ञान और इतिहास जैसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए ऑफ़लाइन कक्षाएं प्रदान कर रहा है। प्रवेश से संबंधित किसी भी जानकारी हेतु दूरभाष संख्या 8756194233, 9889457010 पर संपर्क कर सकते है। इस अवसर पर विशाल यादव,प्रशांत कुमार बोस,रितेश साहनी,अंकित वर्मा,पवन कुमार यादव,मयूरी गुप्ता,देवव्रत यादव, रोहन गुप्ता,उमेश कुमार गुप्ता, पारस नाथ गुप्ता,राजकुमार गुप्ता,विंध्यवासिनी गुप्ता,कैलाश नाथ गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी ने लीगल एड क्लिनिक का फीता काट कर किया उदघाटन

❑आगे बढ़ने की कोई सीमाएं नहीं है - जिला न्यायाधीश ❑नशा मुक्ति अभियान में विशेष योगदान के लिए पंकज भाई को मिला मिर्जापुर गौरव सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

चुनार/मिर्जापुर। क्षेत्र के शिवशंकरी धाम कैलहट में स्वदेश विकास ट्रस्ट लखनऊ के सहयोग से लीगल एड क्लिनिक का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने फीता काट कर किया।इसके साथ ही कैलहट स्थित राजदीप महाविद्यालय में स्वदेश विकास ट्रस्ट लखनऊ के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि पहली बार किसी संस्था को मुकदमे की मध्यस्थता करने के लिए उसे पावर दिया गया। उन्होंने कहा कि जो माता पिता आज अनाथालय में रह रहे हैं तो क्यों न हम उनके हक कि लड़ाई और उनके बच्चों को कानून कि बेड़ियों में बांधे।जिससे मां बाप को न्याय मिल सके।ऐसा करने वाला मिर्जापुर जनपद भारत का पहला जनपद बनेगा।उन्होंने ओलंपिक दिव्या कि बात करते हुए कहा कि एक डॉक्टर ने दिव्या बेटी से कहा था कि आप कभी दौड़ नहीं सकती।वहीं बेटी आज मास्को ओलंपिक में भारत के लिए तीन मेडल जीत कर देश का नाम रोशन की। उन्होंने कहा कि जिले में न्यायिक आंदोल चलाया जाएगा,गांवों के लोगों को भटकने से रोकना उन्हें न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। वही जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्वदेश विकास ट्रस्ट के कार्यों कि सराहना करते हुए कहा कि अपने बच्चों को शिक्षा देना उनके जरूरतों को पूरा करना आम बात है।लेकिन जो दूसरे बच्चों के लिए काम करे वह हमेशा प्रेरणीय है रहेगा। ऐसे कार्यक्रमों के साथ संकल्प ले कि किसी भी क्षेत्र में जो पिछड़े वर्ग के लोग हैं उनके लिए अपनी पीड़ा समझ कर उनके प्रति समर्पित भाव के साथ काम करें। और नकारात्मक विचार छोड़ को छोड़कर हमें इस प्रकार के कार्यक्रमों से प्रेरणा लेकर जीवन में कुछ करना चाहिए। संस्था कि सचिव दीपा सिंह व संस्था के अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ ने कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का बुके एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। राजदीप महाविद्यालय के प्रबंधक इंजिनियर राजबहादुर सिंह ने छत्रपति शिवाजी महाराज कि प्रतिमा देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सूर्य विश्वविद्यालय शाखा चुनार के पंकज भाई को पिछले दिनों से चलाए जा रहे हैं नशा मुक्ति अभियान हेतु मिर्जापुर गौरव सम्मान दिया गया।इस दौरान सिविल जज सीडी गरिमा सिंह,सिविल जज विकास सिंह अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिविल जज सीडी पल्लवी सिंह, ब्लाक प्रमुख नरायनपुर चंद्र प्रकाश सिंह, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा चुनार से पंकज भाई,बीके बीनू ,बीके तारा,जगदीश भाई, संजय भाई पटेल,राजेश भाई पटेल, डॉ ऋतु सिंह,डॉ एस के सिंह,रामध्यान सिंह, रामदुलार पराया,निदेशक समाज कल्याण आर के पटेल सहित बड़ी संख्या में संस्था से जुड़े लोग मौजूद रहे।

चाँद पर नहीं गए थे, ये सब झूठ!

किम कार्दशियन

किम कार्दशियन ने अपनी टीवी सीरीज में 1969 के चंद्रमा पर उतरने की वास्तविकता पर सवाल उठाकर ऑनलाइन बहस छेड़ दी। उन्होंने वायरल वीडियो और ऑनलाइन श्सबूतश् का हवाला देते हुए इसे श्झूठश् बताया, जिस पर नासा ने त्वरित प्रतिक्रिया दी। नासा के कार्यकारी प्रशासक सीन डफी ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि एजेंसी छह बार चंद्रमा पर जा चुकी है, और आर्टेमिस कार्यक्रम के साथ भविष्य के मिशनों की पुष्टि की। किम कार्दशियन ने एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा दी है, इस बार किसी फैशन स्टेटमेंट या व्यावसायिक कदम के लिए नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक पर सवाल उठाने के लिए। श्द कार्दशियनश् के नवीनतम एपिसोड (30 अक्टूबर) में, रियलिटी स्टार ने खुलकर सवाल उठाया कि क्या 1969 में चाँद पर उतरना वाकई हुआ था, और नासा इसे अनदेखा नहीं करना चाहता था। अभिनेत्री सारा पॉलसन के साथ बातचीत के दौरान, किम ने वायरल वीडियो और ऑनलाइन ष्सबूतष् का हवाला देते हुए अपने संदेह साझा किए। उन्होंने नील आर्मस्ट्रांग का जिक्र करते हुए कहा, ष्मैं आपको अब तक बज एल्ड्रिन और दूसरे व्यक्ति, दोनों के बारे में लाखों लेख भेज रही हूँ।ष् पॉलसन, जो स्पष्ट रूप से हैरान थे, ने उन्हें उन्हें साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने रियलिटी स्टार किम कार्दशियन के इस दावे को खारिज कर दिया है कि 1969 में चंद्रमा पर पहली बार मानव को उतारने वाला अंतरिक्ष मिशन फर्जी था। नासा के कार्यकारी प्रशासक सीन डफी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ष्हाँ, हम पहले भी चाँद पर जा चुके हैं... 6 बार!ष् कार्दशियन ने अपनी लंबे समय से चल रही टीवी सीरीज द कार्दशियन्स के नवीनतम एपिसोड में यह टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने सह-कलाकार सारा पॉलसन से कहा कि उन्हें लगता है कि चंद्रमा पर उतरना ष्हुआ ही नहीं ष। लगातार खंडन किए जाने के बावजूद, इस बारे में षड्यंत्र के सिद्धांत कि क्या मनुष्य वास्तव में चंद्रमा पर पहुँचे थे, 50 से भी ज्यादा वर्षों से, खासकर सोशल मीडिया के उदय के साथ, कायम हैं। किम ने ऑनलाइन देखी गई क्लिप्स को याद करते हुए कहारू ष्एक लड़की खबज एल्ड्रिन, से पूछती है, श्सबसे डरावना पल कौन सा था?श् और वह कहता है, श्कोई डरावना पल नहीं था, क्योंकि ऐसा हुआ ही नहीं।श् अब वह बड़ा हो गया है, इसलिए वह गलती कर बैठता है। इसलिए मुझे लगता है कि ऐसा हुआ ही नहीं।ष् अपने बयान में,ैझ्प्डै की संस्थापक ने अपनी बात दोहराई। ष्मुझे नहीं लगता कि हमने ऐसा किया था। मुझे लगता है कि यह झूठ था,ष् उन्होंने ष्झंडा फहराने, बेमेल पैरों के निशान और गायब तारों को अपनी वजह बताया। जब उनसे पूछा गया कि वह आलोचकों को कैसे जवाब देंगी, तो उन्होंने इसे टाल दियारू ष्वे कहेंगे कि मैं पागल हूँ, चाहे कुछ भी हो। लेकिन, टिकटॉक पर जाकर खुद देख लीजिए।ष् उनकी टिप्पणियाँ, बिना किसी आश्चर्य के, वायरल हो गईं, जिसके बाद नासा ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी। कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने एक्स पर जाकर स्थिति स्पष्ट कीरू ष्हाँ, /किम कार्दशियन, हम पहले भी चाँद पर जा चुके हैं – छह बार!ष् उन्होंने नासा के चल रहे आर्टेमिस कार्यक्रम का भी जिक्र किया, जिसका उद्देश्य मनुष्यों को चंद्र सतह पर वापस लाना है, और आगे कहा, ष्हमने पिछली अंतरिक्ष दौड़ जीती थी, और हम यह भी जीतेंगे।ष् कार्दशियन की टिप्पणी ने सदियों पुराने चंद्रमा-अंतर्ग्रहण षड्यंत्र के सिद्धांतों को फिर से हवा दे दी है, जिससे ऑनलाइन एक नई बहस छिड़ गई है। इस बीच, वैज्ञानिक और अधिकारी चंद्र नमूनों से लेकर मिशन फुटेज तक, ढेर सारे सबूतों पर जोर दे रहे हैं, जो साबित करते हैं कि अपोलो 11 की 1969 की चंद्रमा पर लैंडिंग वास्तव में असली थी। श्द कार्दशियनश् हुलु पर स्ट्रीमिंग कर रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने रियलिटी टीवी क्वीन किम कार्दशियन के इस दावे को खारिज कर दिया है कि 1969 में अपोलो 11 का चांद पर पहली बार इंसान को उतारने वाला अंतरिक्ष मिशन फर्जी था. बता दें, श्द कार्दशियन्सश् के नए एपिसोड में उन्होंने ने कहा कि उन्हें लगता है कि अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन का चांद पर पहली बार उतरना एक कल्पना थी. किम कार्दशियन ने अपनी लंबे समय से चली आ रही टीवी सीरीज श्द कार्दशियन्सश् के लेटेस्ट्स एपिसोड में अपने को- स्टार सारा पॉलसन से कहा कि उन्हें लगता है कि चंद्रमा पर उतरना ष्हुआ ही नहींष् था, वो महज एक कल्पना थी. बता दें, नए एपिसोड में, किम कार्दशियन को पॉलसन को अंतरिक्ष यात्री बज एल्ड्रिन का इंटरव्यू दिखाते हुए देखा जा सकता है. बता दें, उन्होंने भी नील आर्मस्ट्रांग के साथ अपोलो 11 मिशन के दौरान चांद की सतह पर पहला कदम रखा था. जिसके बाद किम कार्दशियन ने बताया कि उन्हें इस बात का यकीन तब हुआ जब उन्होंने ऑनलाइन बज एल्ड्रिन के एक इंटरव्यू का वीडियो देखा. उन्होंने कहा कि उस इंटरव्यू में एल्ड्रिन की कमेंट्स को देखकर ऐसा लगता है कि चांद पर उतरना कभी हुआ ही नहीं था. नासा का अंतरिक्ष मिशन था नाटक? किम कार्दशियन ने बताया, 1970 के दशक से ही,यह धारणा फैलाई जा रही है, जिसमें नासा के अंतरिक्ष मिशन के बारे में बताया जा रहा है. उस समय दुनिया भर के करोड़ों लोगों ने इसे लाइव देखा होगा, लेकिन वास्तव में एक नाटक था. किम कार्दशियन के दावे के बाद, अमेरिकी परिवहन सचिव और नासा के कार्यकारी प्रशासक, सीन डफी ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग् पर लिखा, हां,किम कार्दशियन, हम पहले भी चांद पर जा चुके हैं... वो भी 6 बार. अब और अच्छी बात ये है कि छौ।।तजमउपे, च्ळ्न्ै के नेतृत्व में ऐसा फिर से होने जा रहा है. हमने पिछली अंतरिक्ष दौड़ जीती थी और हम यह भी जीतेंगे. बता दें, साल 2026 में, श्आर्टेमिस प्प् मिशनश् के तहत नासा अंतरिक्ष यात्रियों को चांद के चारों ओर 10 दिनों की यात्रा पर भेजने वाला है. किम को इस सवाल के जवाब के बाद लगा था अंतरिक्ष मिशन फेक दरअसल किम कार्दशियन ने एक वीडियो का हवाला दिया जिसमें 95 वर्षीय बज एल्ड्रिन से पूछा गया था कि अपोलो मिशन के दौरान ष्सबसे डरावना पलष् कौन सा था. अपने फोन से पढ़ते हुए, कार्दशियन ने एल्ड्रिन के हवाले से कहारू श्कोई डरावना पल नहीं था, क्योंकि ऐसा हुआ ही नहींश. इसके बाद किम ने कहारू श्तो मुझे लगता है कि ऐसा हुआ ही नहींश. जिसके बाद नासा ने इस दावे का खंडन किया.

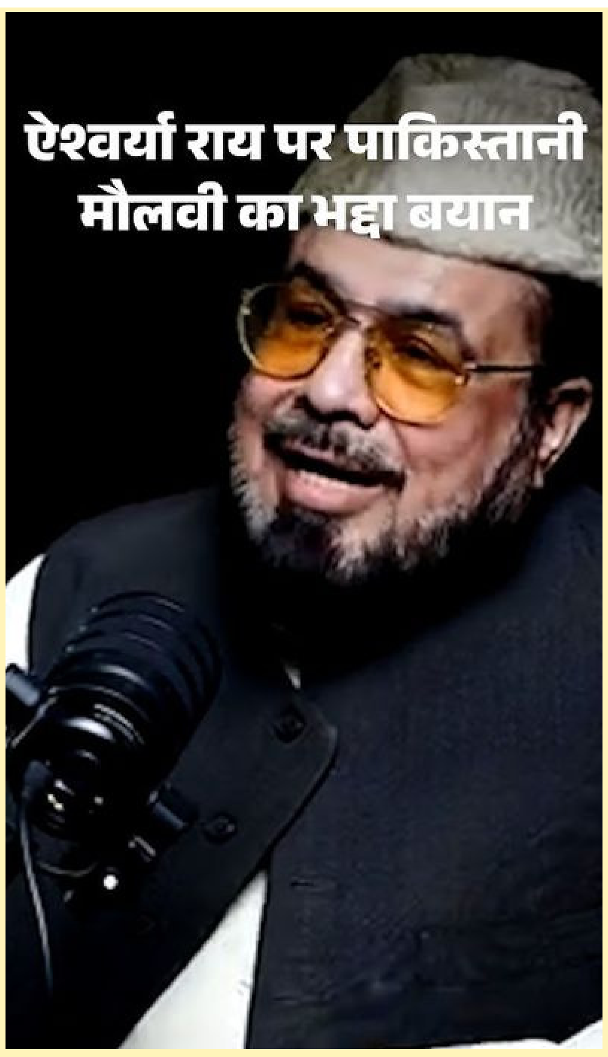

पाकिस्तानी के मौलवी मुफ्ती अब्दुल कावी ने हाल ही में एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन पर अभद्र टिप्पणी की है। एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि अगर ऐश्वर्या-अभिषेक अलग होते हैं, तो एक्ट्रेस खुद उन्हें निकाह का पैगाम भेजेंगी। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा है, श्सुना है कि मियां-बीवी के बीच इस वक्त अलहदगी (अलगाव) की सूरत बन रही है। अगर उनकी अलहदगी हो जाती है, अल्लाह करे न हो, मैं तो घर आबाद करने वाला हूं, अगर हो जाती है, तो इंशाअल्लाह उनकी तरफसे भी मुफ्ती साहब के लिए पैगाम-ए-निकाह आ जाएगा।श्पॉडकास्ट में जब उनसे पूछा गया, श्आप राजी होंगे उनके लिएश्। तो जवाब में मुफ्ती ने कहा, श्बिल्कुल, मैं क्यों न राजी होऊं।श् जब आगे उनसे पूछा गया कि आप गैर मुस्लिम से कैसे निकाह कर सकते हैं, तो जवाब में उन्होंने कहा, श्ये जो हमारी राखी सावंत हैं, अब इसका नाम फातिमा है, मैं उसको कहता रहता हूं कि जब मेरा वुजू होगा, तो मैं तुम्हारा नाम फातिमा पुकारूंगा।श् जब उनसे सवाल किया गया कि आप ऐश्वर्या का धर्म बदलवाएंगे, तो उन्होंने कहा, श्बिल्कुल, ऐश्वर्या राय का नाम आयशा राय लिखेंगे, मजा आ जाएगा।श् बता दें कि ये पॉडकास्ट करीब 13 दिन पहले पाकिस्तान के अनफोल्ड पाकिस्तान नाम के यूट्यूब चौनल पर अपलोड हुआ था। इस पॉडकास्ट में मुफ्ती अब्दुल कवि ने ये भी दावा किया कि राखी सावंत ने उन्हें शादी का प्रपोजल दिया था। अक्सर विवादों में रहते हैं मुफ्ती अब्दुल कावी मुफ्ती अब्दुल कावी अक्सर विवादों में रहते हैं। कुछ सालों पहले पाकिस्तान की पॉपुलर इन्फ्लूएंसर कंदील बलोच ने एक वीडियो जारी कर दावा किया था कि मुफ्ती ने उन्हें मुलाकात करने एक होटल में बुलाया था। जब मुफ्ती ने इसका विरोध किया तो कंदील बलोच ने होटल के कई वीडियोज लीक कर दिए, जिसमें वो कभी सिगरेट मंगवाने तो कभी उन्हें करीब बैठाने की बात करते नजर आए थे। इसके अलावा भी अब्दुल कवि के महिलाओं के साथ कई आपत्तिजनत वीडियोज सामने आते रहते हैं।

इंडियन वुमेन क्रिकेट टीम की वाइस कैप्टन स्मृति मंधाना और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की पर्सनल लाइफ खबरों में छाई हुई है. दरअसल, उनकी शादी 23 नवंबर को होनी थी, लेकिन स्मृति के पिता की तबीयत अचानक से खराब होने की वजह से शादी को पोस्टपोन कर दिया गया. इसके बाद पलाश पर स्मृति को धोखा देने की खबरें सामने आईं. पलाश के किसी लड़की के साथ बातचीत की चौट्स वायरल हुईं. अब स्मृति के पिता हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो गए हैं. इस सब के बीच वहीं पलाश की मां अमिता ने कहा कि सारी चीजें वैसे ही होंगी जैसे प्लान की गई थीं. उन्होंने ये भी बताया कि पलाश स्मृति के पिता के क्लोज थे, इसीलिए उन्होंने खुद शादी को पोस्टपोन किया था. 4 घंटे हॉस्पिटल में रहे थे पलाश मुच्छल पलाश मुच्छल की मां ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, श्हल्दी होने के बाद से हमने उसे बाहर नहीं जाने दिया. रोते रोते एक दम तबीयत खराब हो गई थी. 4 घंटे हॉस्पिटल में रखना पड़ा था. प्ट ड्रिप चढ़ी. म्ब्ळ हुआ और दूसरे टेस्ट हुए. सब नॉर्मल आए. लेकिन स्ट्रेस भी बहुत है.श जल्द होगी स्मृति और पलाश की शादी अमिता ने कहा कि स्मृति और पलाश दोनों ही बहुत ज्यादा परेशान हैं. अमिता ने कहा कि उनका बेटा जल्द अपनी दुल्हन को घर लेकर आना चाहता है. उन्होंने स्मृति के वेलकम के लिए स्पेशल प्लानिंग की थी. अमिता ने कहा, श्सबकुछ वैसा हो जाएगा जैसा प्लान किया गया था. और इसके बाद उनकी शादी भी जल्द होगी. मेरे बेटे का स्मृति के पिता के साथ क्लोज बॉन्ड है. वो स्मृति से ज्यादा स्मृति के पिता के क्लोज है. तो जब वो बीमार पड़े तो पलाश ने स्मृति से पहले शादी पोस्टपोन करने का फैसला लिया. पलाश ने कहा था कि जब तक वो ठीक नहीं हो जाते शादी नहीं होगी. अब स्मृति के पापा रिकवर कर रहे हैं.श

इंटर मियामी को चौंपियन बनाने में निभाई निर्णायक भूमिका

मेसी ने एमएलएस कप फाइनल में निर्णायक जीत के तुरंत कहा कि यह जीत तीन वर्षों की लगै मेहनत का नतीजा है। बता दें कि मेसी के एमएलएस कप में आने के फैसले को लेकर शुरुआत में कई सवाल उठे थे, लेकिन मौजूदा प्रदर्शन ने उन सभी आशंकाओं को शांत कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मेसी ने कहा कि पिछले सीजन में टीम शुरुआती दौर में ही बाहर हो गई थी, जबकि इस बार चौंपियन बनकर उन्होंने अपने लक्ष्य को पूरा किया है। फाइनल में मेसी ने न सिर्फ खेल को नियंत्रित किया बल्कि तीनों गोलों में अहम भूमिका निभाई। दो असिस्ट और लगातार दबाव बनाने की उनकी क्षमता ही इंटर मियामी को शानदार अंतर से आगे ले गई। गौरतलब है कि यह मेसी के करियर का 48वां बड़ा खिताब है, जिसने उन्हें क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे सफल खिलाड़ियों की लाइन में और मजबूत कर दिया है। इंटर मियामी के कोच जावियर माशेरानो ने भी मैच के बाद मेसी के योगदान को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ मुकाबलों में मेसी ने चोटों और थकान के बावजूद जिस तरह की प्रतिबद्धता दिखाई, वह बताता है कि टीम के प्रति उनका समर्पण कितना गहरा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, माशेरानो ने स्वीकार किया कि वैंकूवर की टीम ने दबाव बनाया था और बराबरी के समय उनके पोस्ट से टकराए शॉट ने मैच का रुख बदलने से रोक लिया था। मैच के बाद मेसी ने जोर्डी अल्बा और सर्जियो बस्केट्स के संन्यास को लेकर भी भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने करियर में वह सब हासिल किया जिसकी किसी पेशेवर खिलाड़ी को कामना होती है और डरै कप के साथ उनका विदा लेना बेहद खघस है। मेसी ने यह भी कहा कि अल्बा और बस्केट्स सिर्फमहान खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि उनके निजी मित्र भी हैं, जिनके साथ यह सफर समाप्त होते हुए भी गर्व और भावनाओं से भरा हुआ महसूस किया जा रहा है और यही पल इस जीत को और महत्वपूर्ण बना रहा है क्योंकि इस खिताब ने उनके लंबे सफर को पूर्णता दी है।

फाइटर पूजा तोमर ने कहा, मार्शल आर्ट्स को क्रिकेट के बराबर देखना चाहती हूं

भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फाइटर पूजा तोमर ने कहा है कि न्थ्ब् में उनकी जीत ने भारत में मार्शल आर्ट्स के खेल को देखने का नजरिया बदल दिया है। तोमर ने जोर देकर कहा कि अगर देश में और यादा लीग शुरू की जाती हैं, तो मार्शल आर्ट्स को क्रिकेट के बराबर का दर्जा मिल सकता है। पूजा तोमर ने बताया, श्मैं एक बहुत छोटे से गांव से आती हूं, और वहां से न्थ्ब् तक का मेरा सफर काफी मुश्किल रहा है।श् न्थ्ब् में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, उन्होंने कहा, श्अब बहुत सारे इवेंट हो रहे हैं, और उनमें हमारे कई फाइटर्स उभर रहे हैं, जो भविष्य में न्थ्ब् में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।श् उनका मानना ध्है कि यादा लीग शुरू होने से भारतीय फाइटर्स को आगे आने का और बेहतर मौका मिलेगा। पूजा तोमर का करियरपूजा तोमर, जिनका जन्म 25 दिसंबर, 1993 को हुआ, न्थ्ब् के स्ट्रॉवेट डिवीजन में मुकाबला करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला फाइटर हैं। उन्होंने 8 जून, 2024 को न्थ्ब् में डेब्यू किया और अपनी पहली फाइट जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। न्थ्ब् से पहले, वह वन चौंपियनशिप और मैट्रिक्स फाइट नाइट जैसे बड़े प्रमोशन में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने मैट्रिक्स फाइट नाइट 10 में बी गुयेन को हराकर डथ्छ विमेंस स्ट्रॉवेट चौंपियनशिप का खिताब जीता था। पूजा तोमर भारत में डड। को एक नई पहचान दिलाने वाली प्रमुख हस्ती बन गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया, स्मिथ का विजयी छक्का, नेसर का पाँच विकेट

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज के दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर सीरीज में 2द्0 की मजबूत बढ़त बना ली है। चौथे दिन जीत के लिए मिले 65 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी दबाव के 69द्2 पर मुकाबला समाप्त किया। स्टीव स्मिथ नाबाद रहे और विजयी छक्का लगाकर मैच को स्टाइल में खत्म किया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में शुरुआत भले संभली हुई लग रही थी, लेकिन बेन स्टोक्स के अर्धशतक और विल जैक्स की 41 रन की पारी के बावजूद टीम 241 पर सिमट गई और मुकाबले का संतुलन पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में चला गया। दिन का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन माइकल नेसर का रहा।

लखनऊ में जुटेंगे नेपाल व भारत के अवधी विद्वान

आगामी 11 दिसम्बर को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में होगा अवधी समारोह-2025
डॉ राम बहादुर मिश्र को समर्पित अवधी ग्रन्थ अवध-अवधी: विविध सन्दर्भ का होगा विमोचन
भारत व नेपाल के अवधी विद्वान अवधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर करेंगे परिचर्चा

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के अवधी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आगामी 11 दिसम्बर को अवधी समारोह-2025 आयोजन होने जा रहा है। गुरुवार को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग में होने वाले इस अवधी समारोह में भारत व नेपाल के अवधी आराधकों का जमावड़ा होगा। अवधी समारोह-2025 के संयोजक नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने बताया कि अवधी दधीचि डॉ राम बहादुर मिश्र को समर्पित अवधी ग्रन्थ ÷अवध-अवधी¬विविध सन्दर्भ÷ का विमोचन होगा। इसमें भारत व नेपाल के अवधी विद्वान अवधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर परिचर्चा करेंगे। अवधी समारोह में सीतापुर के एमएलसी पवन सिंह चौहान मुख्य अतिथि होंगे। समारोह अध्यक्षता पद्मश्री डॉ विद्याविन्दु सिंह करेंगी। अतिथि द्वय संयुक्त रूप से अवधी ग्रन्थ ÷अवध-अवधी¬विविध संदर्भ÷ का विमोचन करेंगे। यह अवधी ग्रन्थ राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ राम बहादुर मिश्र की अवधी साधना को समर्पित किया गया है। लगभग 725 पन्ने के इस पुस्तक को अवधी इनसाइक्लोपीडिया कहा जा सकता है। समारोह के संयोजक श्री चौहान ने यह भी बताया कि मित्र राष्ट्र नेपाल से अवधी साहित्यकार कृष्णादेवी पाण्डेय, हरि प्रसाद तिमिलसिना, मधई सिंह सहित कई अवधी विद्वान लखनऊ आ रहे हैं।

कई विद्वान भारत व नेपाल में अवधी के विभिन्न आयामों एवं स्थिति पर चर्चा करेंगे। समारोह में भारत से लेकर नेपाल तक सभी अवधी जनपदों से अवधी आराधकों को आमंत्रित किया गया है। इसी कड़ी में आयोजन समिति के सचिव प्रदीप सारंग ने बताया कि समारोह में लोकगायिका कुसम वर्मा ÷कल्चर दीदी÷ द्वारा राम वंदना एवं रामजन्म सोहर की प्रस्तुति होगी। वहीं, मशहूर अवधी कलाकार रमेश दुबे रमेशवा हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुति देंगे। जबकि तृतीय सत्र में डॉ अशोक अज्ञानी, अजय प्रधान, अनीस देहाती, डॉ सूर्य प्रसाद शर्मा निशिहार, संदीप अनुरागी व प्रदीप सारंग आदि कविगण अवधी कविताएं पेश करेंगे।श्री सारंग ने बताया कि अवधी समारोह में अवधी व्यंजनों पर चर्चा ही नहीं होगी, बल्कि सभी आगंतुकों को लंच के दौरान अवधी व्यंजन कढ़ी चावल रायता परोसा जाएगा।

इस खूबसूरत टेनिस खिलाड़ी और मॉडल के साथ नजर आए युवराज, हरभजन बोले- घर जाना है या नहीं!

नई दिल्ली। फैंस भी इन तस्वीरों पर युवराज पर चुटकी ले रहे हैं। एक ने लिखा- ये किस लाइन में आ गए हो सर। वहीं, दूसरे ने युवराज की पत्नी हेजल कीच को टैग करते हुए लिखा- देखो भाभी जी। टीम इंडिया के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के एक फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इसमें वह एक विदेशी महिला के साथ नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस महिला को कोई नहीं पहचान सका है। युवराज समंदर के बीच एक जहाज पर उनके साथ फोटोशूट कराया। ग्रुप फोटोज के अलावा इसमें युवराज की एक महिला के साथ अलग से फोटोज भी दिखीं, जिससे फैंस चौंक गए। फैंस का सबसे यादा ध्यान उन फोटोज पर ही गया। तो आइए हम आपको बताते हैं कि आखिर वह महिला है कौन...अपने इंस्टाग्राम पेज पर एनेलिया ने अपनी बायो में टेनिस, स्पोर्ट्स मीडिया और एक्टर अपडेट किया हुआ है। एनेलिया पहले टेनिस खेलती थीं, लेकिन अब वह मॉडलिंग, एंकरिंग और एक्टिंग में किस्मत आजमा रही हैं। एनेलिया इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती हैं। उनकी बिकनी में भी कई फोटोज हैं और अलग अलग कपड़ों में अपनी बोल्ड लुक की कई तस्वीरें साझा की हैं। उनकी ग्लैमरस लुक्स ने फैंस का खूब ध्यान खींचा है। युवराज के साथ फोटो पर पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उनके मजे लिए। हरभजन ने मजेदार कमेंट करते हुए लिखा- पाजी घर जाना है कि नहीं! इतनी सारी महिलाएं इकट्ठा की हैं। अछे इंसान बन जाओ अब देखना है कि युवराज इसका क्या जवाब देते हैं। फैंस भी इन तस्वीरों पर युवराज पर चुटकी ले रहे हैं। एक ने लिखा- ये किस लाइन में आ गए हो सर। वहीं, दूसरे ने युवराज की पत्नी हेजल कीच को टैग करते हुए लिखा- देखो भाभी जी। एक और यूजर ने लिखा- लगता है भाभी मायके गई हैं। चौथे यूजर ने लिखा- किंग ऑफ गुड टाइम्स।

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने चुनाव सुधार पर उठाए बड़े सवाल, दिए तीन अहम सुझाव

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बीएसपी प्रमुख मायावती ने संसद में चल रही चुनाव सुधार चर्चा के बीच महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि SIR प्रक्रिया में मतदाता सूची सुधार की समयसीमा बहुत कम है, जिससे BLO पर भारी दबाव बन रहा है और करोड़ों वैध मतदाताओं खासतौर पर गरीब और प्रवासी के नाम कट जाने का खतरा है। उन्होंने समय सीमा बढ़ाने की मांग की। आपराधिक इतिहास वाले प्रत्याशियों पर मायावती ने कहा कि उनका पूरा रिकॉर्ड उजागर करने और अख़बारों में प्रकाशित कराने की जिम्मेदारी पार्टी पर नहीं, प्रत्याशी पर ही डाली जानी चाहिए। यदि कोई उम्मीदवार अपना आपराधिक इतिहास छिपाता है, तो सारी कानूनी जिम्मेदारी उसी पर आए।EVM को लेकर उठने वाली शंकाओं पर उन्होंने कहा कि या तो बैलेट पेपर की व्यवस्था बहाल की जाए, या फिर हर बूथ पर VVPAT स्लिप की 100न्न गिनती कराकर EVM से मिलान किया जाए। उन्होंने चुनाव आयोग के ज़्यादा समय लगने वाले तर्क को असंगत बताते हुए कहा कि इससे जनता का चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा मजबूत होगा।

अर्थ जगत

डिजिटल स्टाम्प अनिवार्य और डिपॉजिट दो महीने तक, नई सीमाओं के साथ किराए में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। भारत में किराये के नियमों में बड़ा बदलाव आया है। सरकार ने नया किराया समझौता 2025 लागू किया है, जिससे मकान मालिक और किरायेदार के बीच झगड़े कम होंगे। अब सभी रेंट एग्रीमेंट को दो महीने के अंदर डिजिटल स्टाम्प कराना अनिवार्य होगा, नहीं तो 5,000 रुपये जुर्माना लगेगा। भारत में घर किराये पर लेने का मतलब होता था अनौपचारिक नियमों, असंगत समझौतों और अचानक आए झटकों से निपटना, लेकिन अब किराये के नियमों में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सरकार ने छमू त्मदज ।हतममउमदज 2025 को लागू कर दिया है। इसका मकसद किराये के कॉन्ट्रैक्ट को आसान बनाना, मकान मालिक और किरायेदार के बीच के झगड़ों को कम करना और इस अनौपचारिक, लेकिन तेजी से बढ़ते मार्केट में एक जैसे नियम लागू करना है। डिजिटल स्टाम्प अब अनिवार्य इस सुधार का सबसे अहम हिस्सा यह है कि अब सभी किराये के समझौतों (रेंट एग्रीमेंट) को हस्ताक्षर करने की तारीख से दो महीने के अंदर डिजिटल स्टाम्प कराना जरूरी होगा। ऐसा न करने पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। यह नियम उन मौखिक या बिना रजिस्टर्ड समझौतों को कम करेगा, जिनके कारण अक्सर कानूनी झगड़े होते हैं। सिक्योरिटी डिपॉजिट सीमित सिक्योरिटी डिपॉजिट की सीमा तय की गई है, जो बड़े शहरों में किरायेदारों के लिए हमेशा ही एक बड़ी परेशानी रही है। नए नियमों के तहत, रिहायशी संपत्तियों के लिए डिपॉजिट की सीमा सिर्फदो महीने के किराये तक सीमित होगी। पहले यह छह से 10 महीने के किराये के बराबर होती थी। यह किरायेदारों के लिए बहुत बड़ी राहत है और वैश्विक किरायेदारी मानकों की ओर एक कदम है। किराये में वृद्धि की मनमानी नहीं किराये में संशोधन या वृद्धि अब साल में सिर्फ एक बार ही किया जा सकता है, और इसके लिए मकान मालिकों को 90 दिन का नोटिस देना जरूरी होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अचानक साल के बीच में होने वाली बढ़ोतरी के झटके से सुरक्षा मिलेगी। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा...5,000 रुपये प्रतिमाह से अधिक का कोई भी किराया डिजिटल रूप से (यूपीआई, बैंक ट्रांसफर) ही देना होगा। यह दोनों पक्षों को सुरक्षा प्रदान करेगा और एक स्वछ डिजिटल रिकॉर्ड बनेगा। स्टैंडर्ड रेंट एग्रीमेंट...ऊंचे किराये पर टीडीएस एक समान किराये समझौता प्रारूप (न्दपवितउ त्मदजंस ।हतममउमदज थ्वतउंज) जारी। समझौते में कोई छिपी हुई लाइनें, कोई अजीब क्लॉज या कोई अतिरिक्त नियम नहीं होगा। सब कुछ स्पष्ट तौर पर लिखा होगा।

बेटे की टांग तोड़ने वालों के खिलाफ महिला ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज शेर खान
ब्यूरो बिजनौर

नगीना। पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर का संबोधित प्रार्थना पत्र मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को पोर्टल पर दर्ज कराकर 15 वर्षीय नाबालिक पुत्र का एक्सीडेंट कर टांग तोड़ने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की गुहार लगाई। पीड़ित महिला सुनीता रावत ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा की 21/10/2025 को ग्राम साबू वाला थाना नगीना देहात में सोनू कुमार पुत्र धर्मवीर निवासी ग्राम असगरपुर थाना किरतपुर मोटरसाइकिल स्प्लेंडर यूं पी बी वाइ 5263 को तेजी से रॉन्ग साइड चलते हुए एक साइड खड़े हुए उसके पुत्र

रोहन को मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया, उसका दाहिना पैर टूट गया। मोटरसाइकिल पर महेंद्र, ज्ञान सिंह, कृष्णा चार व्यक्ति नशे की हालत में बैठे हुए थे। 112 नंबर पर पुलिस को कॉल की गई। टांडा माईदास पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा विजेंद्र सिंह और पुलिस वाले मोटरसाइकिल को पुलिस चौकी ले गए, जहां पर ग्राम प्रधान साबू वाला, ग्राम बावन सराय के बहुत से लोगों ने यह फैसला कराया कि लड़के का पूरा इलाज कराया जाएगा, जो खर्च होगा आरोपी वहन करेंगे। दरोगा विजेंद्र सिंह ने भी पीड़िता को उसके पुत्र का इलाज कराने के लिए पूरा आश्वासन दिया था। पीड़िता का पति कई साल से फालिश से पीड़ित है, चल-फिर नहीं सकता, जिसका एक्सीडेंट हुआ है, वही लड़का घर का कामकाज करता था और दसवीं कक्षा में शिक्षा ग्रहण कर रहा है। डेढ़ माह से चारपाई पर पड़ा है। आरोपियों ने इलाज कराने से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता जब आरोपियों के घर गई तो उसके साथ गाली-गलौच करते हुए उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने ग्राम प्रधान साबू वाला से कहा तो उसने भी डाट डपट कर भगा दिया। पीड़िता पुलिस चौकी टांडा दिनांक 4/11/2025 को दरोगा विजेंद्र सिंह के पास गई और आरोपियों के द्वारा उसका इलाज न करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने की बात कही, लेकिन पीड़िता की रिपोर्ट थाना नगीना देहात में दर्ज नहीं हुई और उसे रसीद भी नहीं दी गई। पीड़िता का कहना है कि उसके पुत्र का दूसरा पैर का ऑपरेशन होना है और उसकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है, मजबूर होकर पीड़िता ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से न्याय की गुहार लगाइ है।

भारतीय किसान यूनियन ने विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

तीसरा विकल्प न्यूज शेर खान ब्यूरो बिजनौर

नजीबाबाद। जिला संगठन मंत्री चौधरी जगबीर सिंह की अध्यक्षता में एवं जिला महामंत्री जितेंद्र हुड्डा के संचालन में भाकियू महात्मा टिकैत की मासिक मीटिंग तहसील प्रांगण नजीबाबाद में आयोजित की गई, जिसमें आठ सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी के नाम संबोधित करते हुए तहसीलदार महोदय को सुपुर्द किया गया, जिसमें सरकार द्वारा वित्त पोषित गौशालाओं में गोवंशों की हो रही दुर्गति को लेकर प्रशासन को अवगत कराया गया। ब्लॉक में संचालित गौशालाओं में पशुओं को भरपेट चारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है तथा ठंड से बचने के पर्याप्त उपाय न होने के कारण गोवंश अकाल मृत्यु के ग्रास बन रहे हैं, लगभग हर ग्राम पंचायत में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जों के मामले तहसीलों में लंबित पड़े हुए हैं, जिन पर औपचारिक कार्यवाही के नाम पर शिकायतकर्ताओं को टरकाया जाता है, पूर्ति कार्यालय में राशन कार्ड स्वीकृति के लिए महीनों से लंबित पड़े हैं, सप्लाई इंस्पेक्टर द्वारा कोई संज्ञान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़के क्षतिग्रस्त हैं, जिसके कारण किसानों को गन्ना ढोने में तथा ग्राम वासियों को आवागमन में काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। युवा तहसील अध्यक्ष सूरज कुमार ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि उपर्युक्त बिंदुओं पर कार्यवाही न होने की स्थिति में भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी। उपजिलाधिकारी इन बिंदुओं पर कार्यवाही करते हुए भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत के पदाधिकारी को अवगत करायें। मासिक मीटिंग में जिला अध्यक्ष चौधरी सुखविंदर सिंह, कपिल चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश सिंह, तहसील प्रभारी सुनील चौधरी, विजेंद्र सिंह, कपिल अंसारी, शहजाद मलिक, कुलदीप मोर, कृष्ण कुमार, राजकुमार, धर्मेंद्र, सतपाल शर्मा, सुधीर चौधरी, बहार आलम आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।